संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 202
पृष्ठ 8
रविवार
12 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वजन घटाने के लिए नाश्ते में...

विचार- जनगणना में प्रवासी मजदूरों की...

खेल- मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल...

'लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई है टीएमसी', मुर्शिदाबाद में बरसे पीएम मोदी, कहा

घुसपैठियों की सरकार का अंत तय

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर हमला बोला है। पीएम मोदी ने साफ लफ्जों में कहा कि बंगाल की जनता अब श्भयश से ऊब चुकी है और श्भरोसेश की ओर बढ़ रही है। घुसपैठियों की सरकार का अंत तय है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा चुनाव जीत रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं। पीएम ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, श्कट मनीश और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है। हथियारों की तस्करी, ड्रग्स और मवेशी तस्करी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कानून–व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

> जो भ्रष्टाचारी हैं, जिन्होंने जनता को लूटा है, भाजपा सरकार आने के बाद उनकी जगह जेल में होगी। टीएमसी मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाने पर तुली है, हम पश्चिम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।
>
> -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी। लेकिन अब बंगाल में घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा। हम पश्चिम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

पीएम मोदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने का वादा किया है। उन्होंने विशेष रूप से मतुआ और नामशूद्र समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि आप किसी टीएमसी नेता की दया पर यहां नहीं हैं, आपको भारत का संविधान सुरक्षा देता है। यह मोदी की गारंटी है कि भाजपा सरकार बनते ही सीएए के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

मुर्शिदाबाद के प्रसिद्ध सिल्क उद्योग पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की अनदेखी के कारण यहां के किसानों का भविष्य बर्बाद हो गया है। टीएमसी बंगाल के मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाने पर तुली है, जिसे भाजपा कभी सफल नहीं होने देगी। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जारी किया गया भाजपा का चुनावी घोषणापत्र, पश्चिम बंगाल में टीएमसी के श्महाजंगलराजश को खत्म करने का एक रोडमैप है।

मुख्यमंत्री योगी ने लखीमपुर खीरी के गांव का नाम बदला, बोले

जहां प्रजा सुखी, वही सच्चा शासन

लखीमपुर खीरी (संवाददाता)। लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी तहसील क्षेत्र के मियांपुर गांव का नाम बदलकर अब रविंद्र नगर किया जाएगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मियांपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। मुख्यमंत्री ने यहां पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित होकर बसाए गए बंगाली हिंदू परिवारों को भूमि का मलिकाना हक प्रदान किया। साथ ही अन्य विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने खास तौर पर विभाजनकारी राजनीति से सावधान रहने की बात कही। उन्होंने तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने जिले में दो जगहों पर आयोजित कार्यक्रम में 817 करोड़ की 314 परियोजनाओं का लोकार्पण और

शिलान्यास किया। इसके साथ ही 4356 थारू परिवारों और 2350 विस्थापित परिवारों को भूमि का मालिकाना हक संबंधी अधिकार पत्र प्रदान किए।

सीएम योगी ने कहा कि पापी पाकिस्तान ने पहले भारत का विभाजन किया, फिर पाकिस्तान भी टुकड़े हुए। पाकिस्तान अभी और टुकड़ों में बंटने वाला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पाप की सजा वहां रह रहे हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी लोगों को मिली है। क्योंकि वहां किसी और जाति के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का पाप देखा। आपका अधिकार लिया और वोट लेते रहे। लेकिन आपको जमीन का अधिकार नहीं दिया। आपकी पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम भी मियांपुर रख दिया। एक भी मियां, नाम मियांपुर। अब ये मियांपुर नाम नहीं रहेगा। अब इस गांव का नाम रविंद्र नगर होगा।

महिला आरक्षण : थरूर बोले- सरकार की मंशा पर सवाल, संघीय ढांचे की मजबूती को लेकर भी चिंता

चेन्नई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को महिला आरक्षण कानून में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन संघीय ढांचे को कमजोर करने वाला राजनीतिक उपकरण नहीं होना चाहिए। थरूर ने संसद में जीवंत और सार्थक बहस न होने के प्रति आगाह भी किया।

उन्होंने एक्स पर लिखे एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए विशेष सत्र बुला रही है। इसका उद्देश्य 2029 के आम चुनावों से पहले परिसीमन पर नजर रखना है। कांग्रेस एक तिहाई महिला आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, यह आरक्षण समावेशी और निष्पक्ष होना चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की शुक्रवार को बैठक हुई थी। इसमें महिला आरक्षण कानून पर पार्टी का रुख तय किया गया। थरूर ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा 33 फीसदी महिला आरक्षण का भी समर्थन किया है। उन्होंने यूपीए के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने साल 2013 में ही राज्यसभा में बिल पारित कराया था। उन्होंने भावी बदलावों के प्रति आगाह करते हुए कहा, वर्तमान सरकार का तरीका गंभीर चिंताएं पैदा करता है। सीडब्ल्यूसी ने विपक्षी दलों से परामर्श किए बिना सरकार के एकतरफा और अपारदर्शी कदम की निंदा की। पार्टी ने चेतावनी दी कि विधेयक के साथ परिसीमन अभ्यास जल्दबाजी में करने के खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। यह राज्यों के लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। खासकर दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में इसका असर होगा। थरूर ने कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने उजागर किया कि सरकार ने मूल रूप से कार्यान्वयन में देरी की थी। कांग्रेस ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर महिला आरक्षण कानून के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास असांविधानिक है। इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस पर चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद गहन विचार–विमर्श की आवश्यकता है।

चुनाव आयोग की मदद से उम्मीदवारी रद्द कराने की साजिश : सीएम ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से उनकी उम्मीदवारी को रद्द कराने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि विशेष गहन संशोधन के दौरान भाजपा ने जबरन 90 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा श्भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराने की कोशिश की ताकि भवानीपुर सीट से मेरी उम्मीदवारी रद्द हो सके, लेकिन तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनता ने उनकी इस साजिश को नाकाम कर दिया। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में और अधिक जानकारी नहीं दी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर श्धोखाधड़ी के माध्यम से जबरन वोट कब्जाने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

रक्षामंत्री राजनाथ ने लक्ष्मण मंडपम का उद्घाटन किया, बोले

वैश्विक संकट के बीच घबराएं नहीं, अफवाहों से रहें दूर

● डिप्टी सीएम ब्रजेश बोले- लखनऊ में मल्टीलेवल पार्किंग- फ्लाईओवर बनवाए, हमारे सांसद विकास पुरुष।

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति का वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शहर के विकास के लिए 58.27 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण किया। इसके साथ ही लक्ष्मण मंडपम का फीता काटकर उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा– आज लखनऊ वालों के लिए सौभाग्य का दिन है। हम सब के प्रिय नेता और लखनऊ से सांसद रक्षा मंत्री राजनाथ ने विकास की कई सौगातें दी हैं। इनमें लक्ष्मण मंडपम भी एक है।

कार्यक्रम में मेयर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ला, ओपी श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग हिस्सा ले रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी सरकार के रहते देश में कोई बड़ा संकट उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड जैसे बड़े वैश्विक संकट का भारत ने मजबूती से सामना किया और उसी तरह वर्तमान परिस्थितियों से निपटने की पूरी क्षमता देश में है।

उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति मजबूत मानी जा रही है और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी मानते हैं कि भारत किसी भी संकट से निपटने में सक्षम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि आने वाले महीनों में भी किसी तरह का संकट उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि गल्फ देशों में चल रहे हालात का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन भारत ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है।

उन्होंने स्वीकार किया कि वैश्विक संकट के कारण कुछ समय के लिए सीमित प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। सरकार पूरी क्षमता और संयम के साथ हालात पर नजर बनाए हुए है।

रक्षा मंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सरकार पर भरोसा बनाए रखें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इस दौरान कई चुनौतियों व विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए सरकार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरी है।

उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी तनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही औपचारिक रूप से युद्धविराम की बातें सामने आई हों, लेकिन जमीनी हालात को देखते हुए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है।

उन्होंने बताया कि ऐसे हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई है, जो स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

रक्षा मंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि देश में किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। पेट्रोल, डीजल और कुकिंग गैस सहित आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से सुचारु है। विकास की रफ्तार यही नहीं रुकने वाली है।

केजरीवाल का पीएम मोदी पर सीधा हमला, बोले- लाखों वोट कटवाए गए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संस्थागत अधिग्रहण और लाखों वोटों की कटौती का आरोप लगाया। ग पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि सभी संस्थाओं पर कब्जा करने और लाखों वोटों की कटौती करवाने के बाद भी, अगर मोदी पश्चिम बंगाल चुनाव हार जाते हैं तो क्या होगा? पश्चिम बंगाल विधानसभा के 294 सदस्यों के लिए चुनाव

दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने हैं, और मतगणना 4 मई को होगी। राज्य का राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है, जिसमें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (ज्डब) और भाजपा के बीच, विशेष रूप से मतदाता सूची संशोधन और चुनाव तैयारियों को लेकर, तीखी नोकझोंक देखने को मिली है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में चुनाव आयोग और भाजपा पर बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों से नाम हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी के सत्ता में वापस आने पर इस प्रक्रिया को उलट दिया जाएगा और मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों के वर्गीकरण पर सवाल उठाया। इस बीच, भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है तो छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर दी जाएगी।

कृषि की पैदावार बढ़ाना, लागत घटाना और विविधीकरण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : शिवराज

रायसेन (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि कृषि को लाभप्रद बनाने के लिए पैदावार में वृद्धि, लागत में कमी और फसलों का विविधीकरण सरकार की शीर्ष प्राथमिकता और वर्तमान समय की जरूरत है। श्री चौहान यहां आज से शुरू हुए राष्ट्रीय स्तर के श्उन्नत कृषि महोत्सवश 2026 मेले का शुभारंभ के अवसर पर आए हुए थे। यह कृषि मेला 13 अप्रैल तक चलेगा। इस मौके पर उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे केवल पारंपरिक अनाजदृप्रधान खेती से आगे बढ़कर एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाएँ, क्योंकि जमीन के छोटेदृछोटे टुकड़ों– एक, दो या तीन एकड़ पर भी अगर अनाज के साथ फल, सब्जी, पशुपालन, मध्ुमक्खी पालन, बकरी पालन और मुर्गी पालन जोड़ा जाए, तो वास्तविक रूप से लाभकारी खेती संभव है। उन्होंने बताया कि इस उन्नत कृषि महोत्सव में एक एकड़ के सम्पूर्ण इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल का लाइव डेमो लगाया गया है,

और वैज्ञानिक मार्गदर्शन में इस मॉडल को अपनाने पर किसान एक एकड़ में भी दो लाख रुपये से अधिक की आमदनी कमा सकते हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे तीनों दिन पूरी गंभीरता से इन सत्रों में भाग लें, सीखें और अपनी कृषि पद्धति बदलें, क्योंकि कम जमीन पर अलगदृअलग फसलों के साथ अधिक आमदनी प्राप्त करना ही इस महोत्सव का मूल उद्देश्य है।

बंगाल की जनसभा में अमित शाह की हुंकार, गृह मंत्री ने सीएम ममता को घेरा, कहा

भाजपा मिटाएगी टीएमसी का सिंडिकेट राज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच भाजपा ने एक बार फिर ममता सरकार पर बड़ा हमला बोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांकुड़ा के ओंडा में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो टीएमसी का सिंडिकेट राज खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अब बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता जल्द फैसला करेगी।

अमित शाह ने अपने भाषण में टीएमसी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में हर काम के लिए लोगों को कटमनी देनी पड़ती है और सिंडिकेट के बिना कोई काम नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार आने पर

महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों को सजा दी जाएगी।

शाह ने कहा कि बंगाल में सीमेंट, बालू या अन्य सामान खरीदने तक के लिए सिंडिकेट का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिस्टम लोगों को परेशान कर रहा है। शाह ने जनता से अपील की कि भाजपा को वोट देकर इस व्यवस्था को खत्म करें और पारदर्शी शासन लाएं।

उन्होंने ममता सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और कई मामलों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं को 24 घंटे सुरक्षा दी जाएगी और दोषियों को सख्त सजा मिलेगी।

शाह ने आलू किसानों की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी उपज को पूरे देश में भेजा जाएगा ताकि उन्हें बेहतर कीमत मिल सके। साथ ही उन्होंने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश कोई "धर्मशाला" नहीं है और भाजपा सरकार बनने पर घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में 300 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है और भाजपा सरकार बनने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। शाह ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था की है और किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

निजी विद्यालयों पर कसा शिकंजा, फीस व यूनिफॉर्म मनमानी पर लगेगा लगाम

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप्र स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के प्रावधानों के अनुपालन पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप्र स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के प्रावधानों के अनुपालन पर विस्तार से चर्चा की गई।

समिति के सदस्य सचिव व जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि सभी वित्तविहीन विद्यालयों (सीबीएसई, सीआईएससीई, यूपी बोर्ड) को अपनी शुल्क संरचना वेबसाइट और सूचना पट पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है। किसी भी अभिभावक से निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त कोई धनराशि नहीं ली जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी विद्यालय छात्रों या अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से किताबें, या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। साथ ही बिना नियमों के शुल्क वृद्धि करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पहली बार नियमों के उल्लंघन पर एक लाख रुपये, दूसरी बार पांच लाख रुपये का जुर्माना और तीसरी बार मान्यता समाप्त करने की कार्रवाई का प्रावधान है। डीएम ने कहा कि फीस वृद्धि और यूनिफॉर्म–पुस्तकों में मनमानी को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इनके निस्तारण के लिए नगर मजिस्ट्रेट और जिला विद्यालय निरीक्षक को संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी नामित किया गया है। अभिभावक इन कार्यालयों में लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी निजी विद्यालयों से पिछले तीन वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट, पांच वर्षों की शुल्क विवरणी और शिक्षकों–कर्मचारियों के वेतन व वार्षिक वृद्धि का ब्योरा एक सप्ताह में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। साथ ही पंद्रह दिन बाद दोबारा बैठक कर इनकी समीक्षा और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी डिग्री व मार्कशीट के लिए ग्राहक तलाशने वाला एजेंट गिरफ्तार

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की फर्जी वेबसाइट तैयार कर मार्कशीट और डिग्रियां बेचने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी अनंत सत्यम निगम को गिरफ्तार किया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की फर्जी वेबसाइट तैयार कर मार्कशीट और डिग्रियां बेचने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी अनंत सत्यम निगम को गिरफ्तार किया है। सिविल लाइंस के तेज बहादुर सप्रू मार्ग निवासी आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 88 फर्जी अंकपत्र, डिप्लोमा व प्रव्रजन प्रमाणपत्र, 14 पासबुक, 21 चेक बुक, पांच डेबिट कार्ड, चार मोबाइल फोन व पांच सिमकार्ड बरामद किए हैं। जांच में पता चला कि अनंत सत्यम फर्जी डिग्री व मार्कशीट के लिए ग्राहक तलाशने का काम करता था। उसे प्रति ग्राहक के हिसाब से 20 हजार रुपये कमीशन मिलता था। साइबर पुलिस मामले में अब तक आजमगढ़ के एक बीफार्मा कॉलेज के संचालक शशि प्रकाश राय समेत कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस गिरोह का कनेक्शन कानपुर, जौनपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी समेत यूपी के कई शहरों के 60–70 एजुकेशन सेंटर से था।

सेंटर के लोग छात्रों व अभिभावकों को विज्ञापन के माध्यम से घर बैठे बीफार्मा, डीफार्मा समेत अन्य डिग्रियां प्राप्त करने का लालच देते थे। इसके बदले मोटी रकम वसूली जाती थी। बिना परीक्षा दिए ही बीफार्मा, डीफार्मा आदि की फर्जी डिग्रियां उपलब्ध करा दी जाती थीं। गिरोह का नेटवर्क सोशल मीडिया और एजेंट के जरिये संचालित होता था। साइबर क्राइम थाना प्रभारी ओम नारायण गौतम ने बताया कि अनंत सत्यम निगम फर्जी डिग्री व मार्कशीट के लिए ग्राहक तलाशने का काम करता था। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

आबादी बढ़ने के बावजूद शहर उत्तरी, पश्चमी और मेजा विधानसभा क्षेत्रों में घट गए मतदाता

प्रयागराज। 22 साल बाद हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद शुक्रवार को जारी अंतिम वोटर लिस्ट के आंकड़े चौकाने वाले हैं। आबादी बढ़ने के बावजूद 22 साल की अवधि में इलाहाबाद उत्तर, इलाहाबाद पश्चिम व मेजा विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या कम हो गई है। 22 साल बाद हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद शुक्रवार को जारी अंतिम वोटर लिस्ट के आंकड़े चौकाने वाले हैं। आबादी बढ़ने के बावजूद 22 साल की अवधि में इलाहाबाद उत्तर, इलाहाबाद पश्चिम व मेजा विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या कम हो गई है। अंतिम वोटर लिस्ट में कुल 38 लाख 65 हजार 795 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। मतदान में हमेशा पीछे रहने वाले शहरी वोटरों ने मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए भी कोई विशेष रुचि नहीं दिखाई। छह जनवरी को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की हालत तो और खराब थी जब अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, मृतक (एएसडी) श्रेणी में चिह्नित 11 लाख 56 हजार 305 मतदाताओं काटे जाने के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में कुल 35 लाख 36 हजार 555 मतदाताओं के नाम ही शेष रह गए थे।

एक जनवरी 2003 की अर्हता तिथि के आधार पर हुए पिछले एसआईआर में इलाहाबाद उत्तर में 377592, इलाहाबाद पश्चिम में 370381 व मेजा विधानसभा क्षेत्र में 314567 मतदाता थे। नए एसआईआर की अंतिम वोटर लिस्ट में इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या घटकर क्रमशरू 282901, 367256 व 287606 हो गई है। यानी 22 वर्षों में इलाहाबाद उत्तर में 94691, इलाहाबाद पश्चिम में 3125 व मेजा में 26961 मतदाता कम हो गए। एसआईआर में मतदाताओं का सत्यापन 2003 और 27 अक्तूबर 2025 की वोटर लिस्ट से किया गया है। 27 अक्तूबर 2025 की वोटर लिस्ट में 46 लाख 92 हजार 860 मतदाता शामिल थे और एसआईआर के तहत शुक्रवार को जारी अंतिम वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या घटकर 38 लाख 65 हजार 795 रह गई है। यानी एसआईआर के तहत जारी अंतिम वोटर लिस्ट में 826885 मतदाता (17.62 फीसदी) कम हो गए। मतदाताओं की संख्या का ग्राफ गिरने के मामले में प्रयागराज उत्तर प्रदेश में आठवें स्थान पर है। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के इलाहाबाद दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या का ग्राफ सबसे अधिक नीचे आया। इस विधानसभा क्षेत्र में 99059 मतदाता (25.68 फीसदी) कम हुए हैं।

लिस्ट में दर्ज कुल 3865975 मतदाताओं में से 2119258 पुरुष व 1746389 महिला मतदाता हैं। सबसे अधिक 168897 महिला मतदाता इलाहाबाद पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में हैं। दूसरे नंबर पर प्रतापपुर में 159847 और तीसरे नंबर पर हंडिया में 151537 महिला मतदाता हैं। वहीं, सबसे कम 126677 महिला मतदाता मेजा विधानसभा क्षेत्र में हैं।

राज्यपाल ने कहा– मौजूदा वैश्विक स्थिति से सीख लेते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर बनाएं शैक्षिक संस्थान

प्रयागराज। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शनिवार को प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने प्रो. राजेंद्र प्रसाद रज्जू भैया विश्वविद्यालय में नवनिर्मित शैक्षणिक सुविधाओं का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का मकसद छात्रों को सिर्फ डिग्रियां बांटना नहीं बल्कि उन्हें योग्य और आत्मनिर्भर बनाना है।

राज्यपाल ने कहा– मौजूदा वैश्विक स्थिति से सीख लेते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर बनाएं शैक्षिक संस्थान

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शनिवार को प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने प्रो. राजेंद्र प्रसाद रज्जू भैया विश्वविद्यालय में नवनिर्मित शैक्षणिक सुविधाओं का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का मकसद छात्रों को सिर्फ डिग्रियां बांटना नहीं बल्कि उन्हें योग्य और आत्मनिर्भर बनाना है। कई दिनों से विश्वविद्यालय परिसर के बाहर चल रहे आंदोलन की तरफ ईशारा करते हुए उन्होंने कहा कि अभिभावकों को विश्वविद्यालय पहुंचकर उन्हें अपने बच्चों की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहते हुए अपने भविष्य पर ध्यान देना चाहिए।

राज्यपाल ने मौजूदी वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए आत्मनिर्भर बनने की बात कही। आत्मनिर्भर होना आज की आवश्यकता है। विश्व में दूसरे देशों के बीच हो रहे युद्ध का असर हमारे घर की रसोई तक पड़ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित कर रही है। हमारा व्यापार प्रभावित हो रहा है। ऐसे में हमें अब आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा। कहा कि पीएम मोदी की दूरदर्शी नीति के चलते देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

आनंदी बेन ने कहा कि समस्या शुरू होने से पहले ही समाधान के बारे में सोचना चाहिए। आज भारत इतिहास रचने के उस मोड़ पर खड़ा है जहां हर नीति और निर्णय का प्रयास विश्व को एक नई दिशा देगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रावास में रहने वाले छात्रों से साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने और नशा से दूर रहने की सलाह दी। कहा कि भोजन की गुणवत्ता भी ठीक होनी चाहिए। कहा कि विश्वविद्यालय बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करे, ताकि देश आत्मनिर्भर बन सके।

छात्रों के आंदोलन पर जताई नाराजगी

राज्यपाल ने कहा कि कुछ दिन पहले छात्र विश्वविद्यालय में आंदोलन कर रहे थे। अगर वह छात्र पढ़ाई करते तो आज यह नौबत सामने नहीं आती। उन्होंने छात्रों के अभिभावकों से भी कहा कि वह अपने बच्चों की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए विश्वविद्यालय और स्कूल आएं। यहां के लोगों से मिलकर जानकारी लें कि उनके बच्चों की शैक्षिक स्थिति का स्तर क्या है। जो छात्र नहीं पढ़ते हैं वही आंदोलन करते हैं। पढ़ने वाले छात्र आंदोलन नहीं प्रयोग करते हैं। कहा कि छात्रों के प्रदर्शन की जानकारी कुलपति ने मुझे दी थी।

राज्यपाल का स्वागत करते हुए कुलपति प्रोफेसर अखिलेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। वीसी ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो किसानों के बीच जाकर उनके साथ काम करें। कृषि और फार्मेसी की कार्यशालाओं का उद्घाटन इसी उद्देश्य को लेकर किया जा रहा है। कुलसचिव प्रोफेसर विनीता यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीआईसी प्रवक्ता भर्ती में उम्र सीमा में छूट देने पर कानून के अनुसार किया जाए विचार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 12 अगस्त 2025 को प्रवक्ता (जीआईसी) के 1471 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें अधिकतम उम्र सीमा में किसी भी प्रकार की छूट नहीं थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) प्रवक्ता भर्ती में अभ्यर्थियों को उम्र सीमा में छूट प्रदान करने पर कानून के अनुसार विचार किया जाए। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को आदेशित किया है कि वह एक सप्ताह के भीतर याचियों को परीक्षा में सम्मिलित करने के संबंध में उचित निर्णय ले। यह महत्वपूर्ण आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने अश्वनी कुमार व दस अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 12 अगस्त 2025 को प्रवक्ता (जीआईसी) के 1471 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें अधिकतम उम्र सीमा में किसी भी प्रकार की छूट नहीं थी।

याचियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता संजय कुमार यादव ने दलील दी कि उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विभिन्न भर्तियों में उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली 1992 के नियम तीन के तहत सभी वर्गों के लिए एक बार के लिए आयु में छूट दी गई है। कहा कि जब अन्य विभागों में यह लाभ दिया जा रहा है तो प्रवक्ता भर्ती में इसे लागू न करना तर्कसंगत नहीं है। सुनवाई के उपरांत उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को निर्देशित किया है कि वे तीन दिन के भीतर आदेश की प्रमाणित प्रति और रिट याचिका की स्व–सत्यापित प्रति प्रधान सचिव (उच्च माध्यमिक शिक्षा) उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्तुत करें। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह याचियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने के संबंध में आवश्यक कदम उठाए और लोक सेवा आयोग को इस पर एक सप्ताह के भीतर अंतिम निर्णय लेना है।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड – 10 बीघे जमीन के विवाद में इरफान को मारी गई थी गोली, दो गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने दावा किया है कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र स्थित खेडुवा गांव में करीब नौ–10 बीघे जमीन के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया।

करेली थाना क्षेत्र के गौसनगर स्थित बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने दावा किया है कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र स्थित खेडुवा गांव में करीब नौ–10 बीघे जमीन के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया। मामले में पुलिस ने एनुद्दीनपुर निवासी हुसैन उर्फ प्लंबर (22) और करेली जफीर की पुलिया निवासी मोहम्मद वसीम उर्फ कबूतर (45) को गिरफ्तार किया है।

जांच में पता चला कि प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की बेटी का निकाह एयरपोर्ट थाना क्षेत्र स्थित खेडुवा गांव में हुआ है। इसी घर में आसिफ दुर्रानी की बहन का भी निकाह हुआ है। गांव में इनकी करीब नौ–10 बीघा जमीन है। करीब दो साल पहले आसिफ के बहनोई की मौत हो गई थी।

शक है कि इसके बाद से ही

इरफान व आसिफ के बीच जमीन को लेकर रंजिश चल रही थी। आसिफ दुर्रानी व उसके भाई राशिद ने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। वहीं, करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि आसिफ समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही मामले का पूरी तरह से खुलासा किया जाएगा।

पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनकी मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी व उसके भाई राशिद दुर्रानी से दोस्ती है। आसिफ का मोहम्मद इरफान से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उसी के कहने पर उन्होंने इरफान को लेकर मुखबिरी की थी। बताया था कि इरफान चाय की दुकान पर बैठा है। इस मुखबिरी के बाद आसिफ दुर्रानी, दिलशाद उर्फ साफान, राशिद दुर्रानी व एक अन्य ने सुनियोजित तरीके से इरफान को गोली मार दी। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।

जमीन की कीमत 14–15 करोड़ रुपये

भतीजे सुफियान ने बताया कि चाचा इरफान की बेटी और आसिफ की बहन का एक ही घर में निकाह हुआ था। बहनोई की मौत के बाद से आसिफ की नजर जमीन पर थी। वर्तमान में गांव में स्थित जमीन की कीमत तकरीबन 14–15 करोड़ रुपये है। इसी जमीन को लेकर आसिफ रंजिश रखने लगा था और चाचा इरफान की हत्या कर दी।

आरोपी हुसैन उर्फ प्लंबर और मोहम्मद वसीम उर्फ कबूतर ने आसिफ दुर्रानी व उसके भाई राशिद के कई ठिकानों के बारे में भी पुलिस को जानकारी दी है। शुक्रवार को पुलिस की एक टीम ने ऐनुद्दीनपुर, गौसपुर, चकिया स्थित उनके घर पर एक बार फिर दबिश दी, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। वहीं, पुलिस की दूसरी टीम ने आसपास के कई शहरों में दबिश दी।

रेकी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जमीन के विवाद में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। मुख्य आरोपी समेत अन्य की तलाश की जा रही है, जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। – मनीष कुमार शांडिल्य, डीसीपी नगर

राज्यपाल की ड्यूटी में तैनात दरोगा की मौत, ड्यूटी पर तैनाती के दौरान अचानक बिगड़ी तबीयत

प्रयागराज। राज्यपाल आनंदी बेन के आगमन पर ड्यूटी पर तैनात दरोगा की मौत हो गई। नैनी के अरैल क्षेत्र में दरोगा नकछेद कनौजिया की ड्यूटी लगी थी। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन जान नहीं बचाई जा सकी। राज्यपाल आनंदी बेन के आगमन पर ड्यूटी पर तैनात दरोगा की मौत हो गई। नैनी के अरैल क्षेत्र में दरोगा नकछेद कनौजिया की ड्यूटी लगी थी। अचानक

उनकी तबीयत बिगड़ गई। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन जान नहीं बचाई जा सकी। दरोगा की ड्यूटी बारा थाने में थी। घटना के बाद तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मामले की छानबीन की जा रही है। घटना की सूचना दरोगा के परिजनों को दी गई है। बारा थाना में दो वर्ष से तैनात उपनिरीक्षक नकछेद कन्नौजिया मूल रूप से अयोध्या जिले के रहने वाले थे। राज्यपाल के आगमन के मद्देनजर उनकी वीआईपी ड्यूटी अरैल में डीपीएस स्कूल के पास हेलीपैड पर लगाई गई थी। बताया जाता है कि हृदयगति रुकने से उनकी मौत हो गई। रिटायर्ड होने में महज चार महीने शेष बचा थे।

एसपी के उपस्थित न होने पर कोर्ट नाराज, 16 अप्रैल को फिर किया तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी शुक्रवार को एसपी बस्ती कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। उनके प्रतिनिधि ने कोर्ट में उनका व्यक्तिगत हलफनामा दायर किया। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए एसपी बस्ती को 16 अप्रैल को फिर से तलब किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी शुक्रवार को एसपी बस्ती कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। उनके प्रतिनिधि ने कोर्ट में उनका व्यक्तिगत हलफनामा दायर किया। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए एसपी बस्ती को 16 अप्रैल को फिर से तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने मंजीत कुमार की जमानत अर्जी पर दिया है। बस्ती निवासी याची मंजीत कुमार ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की, जिसमें सरकारी वकील को बार–बार निर्देश देने के बावजूद पुलिस की ओर से आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी। पूर्व में कोर्ट के कड़े रुख के बाद एसपी बस्ती ने एक हलफनामा दाखिल कर दावा किया था कि अभियोजन विभाग के संयुक्त निदेशक ने जवाब तैयार करने में देरी की। हालांकि, जब संयुक्त निदेशक ने कोर्ट में पेश होकर अपनी स्थिति स्पष्ट की, तो पता चला कि जवाब तैयार करने की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित जांच अधिकारी की थी, न कि अभियोजन अधिकारी की। कोर्ट ने पाया कि क्षेत्राधिकारी (सीओ) की ओर से तैयार की गई जांच रिपोर्ट भी दोषपूर्ण है।

इस मामले में कोर्ट ने एसपी बस्ती को 10 अप्रैल 2026 को तलब किया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गलत तथ्यों के आधार पर हलफनामा दाखिल करना अदालत की अवमानना के समान है, इसलिए एसपी को स्पष्टीकरण देना होगा कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। इस आदेश के अनुपालन में एसपी के प्रतिनिधि कोर्ट में उपस्थित हुए।

वाराणसी दाल मंडी प्रकरण: डीएम वाराणसी व नगर निगम ने हाईकोर्ट में दाखिल किया जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के दाल मंडी में सड़क चौड़ीकरण मामले में दायर अवमानना याचिका पर डीएम वाराणसी और नगर निगम की ओर से दाखिल किए गए जवाबी हलफनामों को रिकॉर्ड पर ले लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के दाल मंडी में सड़क चौड़ीकरण मामले में दायर अवमानना याचिका पर डीएम वाराणसी और नगर निगम की ओर से दाखिल किए गए जवाबी हलफनामों को रिकॉर्ड पर ले लिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने वाजिद अब्बास और अन्य की ओर से दाखिल अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पारित किया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने याचियों के अधिवक्ताओं को प्रशासन की ओर से प्रस्तुत हलफनामों पर अपना प्रति उत्तर दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने दाल मंडी में सड़क चौड़ीकरण से जुड़ीं लगभग 20 से अधिक अन्य अवमानना याचिकाओं को भी एक साथ संबद्ध करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस बीच राज्य सरकार के पास यह अवसर होगा कि वह शेष सभी संबंधित मामलों में भी अपना विस्तृत जवाब दाखिल कर दे। गौरतलब है कि दाल मंडी क्षेत्र में चौड़ीकरण की प्रक्रिया को लेकर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने पूर्व में दिए गए न्यायिक आदेशों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिकाएं दाखिल की हैं।

पीड़िता की गवाही पर भरोसा, कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में सजा रखी बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में आरोपी की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय और सुसंगत हो तो अन्य गवाहों के बयान न होने से अभियोजन का मामला कमजोर नहीं होता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में आरोपी की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय और सुसंगत हो तो अन्य गवाहों के बयान न होने से अभियोजन का मामला कमजोर नहीं होता। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज बजाज की पीठ ने अमर नाथ सिंह की अपील खारिज करते हुए दिया। आजमगढ़ के अपर सत्र न्यायाधीश की ओर से 1986 में आरोपी को दुष्कर्म का दोषी मानते हुए सात साल के कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है। अभियोजन ने जानबूझकर पीड़िता की मां और एक अन्य गवाह को पेश नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता ने शुरू से ही आरोपी का नाम लिया और अदालत में भी अपने बयान पर कायम रही। केवल इस आधार पर कि पीड़िता की मां और अन्य गवाह का बयान नहीं हुआ, अभियोजन के मामले पर संदेह नहीं किया जा सकता। खासकर जब पीड़िता की गवाही स्पष्ट और भरोसेमंद हो। कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ अपराध सिद्ध है और सजा में हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं है।

संस्कृत भाषा में संवेदना का प्राण समाहित- कृष्ण बिहारी

प्रयागराज। निखिल भारतीय संस्कृत परिषद् एवं पुरातन छात्र परिषद्, संस्कृत विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दुस्तानी ऐकेडेमी के सभागार में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता लोकसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने की।

डॉ. अभिषेक त्रिपाठी मंडलीक के स्वागत उद्बोधन के बाद प्रो. अनिल प्रताप गिरि ने कहा कि जीवन अनित्य होते हुए भी हमारी

ज्ञान की परम्परा नित्य है। मुख्य अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा ने कहा कि प्रयागस्थ संस्कृत विद्वानों ने सांस्कृतिक चेतना को जागृत करते हुए वैश्विक प्रभाव को आलोकित किया। प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने कहा संस्कृत भाषा में संवेदना का प्राण बसता है।। प्रो. मंजुला जायसवाल, डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि, प्रो. राजेन्द्र त्रिपाठी, वेदान्ती ने संस्कृत परम्परा से सम्बंधित अनेक संस्मरण सुनाये। डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने संचालन किया।

द्वितीय सत्र में प्रो. हरिदत्त शर्मा की अध्यक्षता में काव्य रसवर्षा हुई। देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती, प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि, प्रो. राजेन्द्र त्रिपाठी रसराज, डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, डॉ. इन्दु जमदग्निपुरी, डॉ. पीयूष मिश्र, नीलम तिवारी, डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी, डॉ. संतोष मिश्रा, डॉ.योगीराज ने अपने रसपूर्ण काव्यपाठ से श्रोताओं को आह्लादित किया। कवि सम्मेलन का संचालन डॉ. पीयूष मिश्र ने किया। डॉ.अमिता सिंह, डॉ. दीप्ति विष्णु, डॉ. पूजा जायसवाल, डॉ. आरती सरोज, डॉ. दीपेश शुक्ल, डॉ. गीतांजलि पाण्डेय, डॉ. प्रियंक, डॉ. अखिल, डॉ.आकांक्षा, डॉ.शारदा, डॉ.निशा खन्ना, डॉ.अनिल, डॉ. शत्रुघ्न मिश्र, डॉ. संजय, डॉ. नन्द किशोर, डॉ. सुनील, डॉ. अनिल शुक्ल, डॉ.प्रवीण द्विवेदी, डॉ. सोनमती, रिंकी मिश्रा, परिमल इत्यादि सैकड़ों पुराछात्र उपस्थित रहे।

भयहरणनाथ धाम में पांचवा सामाजिक सत्याग्रह 12 अप्रेल को आज

प्रतापगढ। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में कब्जा मुक्ति व भूमि पैमाइस हेतु पांचवा सामाजिक सत्याग्रह 12 अप्रेल दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से चार बजे तक होगा। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि गत 15 मार्च से यह सत्याग्रह निरंतर प्रत्येक रविवार को जारी है परंतु अभी तक राजस्व विभाग ने ठोस पहल नही की है जबकि 28 मार्च को ही एस डी एम सदर ने आदेश जारी कर 10 सदस्यीय टीम का गठन किया है।

सुनयना विश्वकर्मा इतिहास विषय में जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए भी क्वालीफाई

– आत्मविश्वास भरी नियमित कड़ी मेहनत से मिल रही क्रमिक सफलता

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर ब्लाक अंतर्गत सिंधौर ग्रामसभा निवासी संजय विश्वकर्मा की होनहार बेटी ने अपनी योग्यता का लगातार परचम लहराते हुए युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रही हैं। इसके पहले सुनयना ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में एसिस्टेंट प्रोफेसर और पी एच डी के लिए क्वालीफाई करते हुए माता–पिता और ग्रामवासियों का नाम रोशन किया था।उस समय 02 अंक से जे आर एफ क्वालीफाई नहीं होने पर सुनयना के मन में एक टीस बनी हुई थी। सुनयना को अपनी मेहनत पर भरोसा था , इंतजार था जे आर एफ क्वालीफाई होने का। कुछ प्रश्नों की संदिग्धता को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा दायर की गयी रिट पर न्यायालय के आदेश के क्रम में 08 अंक बढ़ जाने पर सुनयना जे आर एफ भी क्वालीफाई हो गयी। बताते चलें कि पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए उच्चतर शिक्षा में सेवा प्रदान करने के लिए जे आर एफ क्वालीफाई करना बहुत बड़ा सपना होता है। इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों और शुभचिंतकों ने सुनयना का मुह मीठा कराते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रदान की है। ला कालेज के प्राचार्य शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, लल्लू राम विश्वकर्मा, सत्यम विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा के साथ शिक्षक एवं साहित्यकार आशुतोष गिरि दीपक, साहित्यकार हरिवंश शुक्ल शौर्य, डा.अरुण कुमार रत्नाकर,डा.सच्चिदानंदत्रिपाठी, मो.हई, गजेन्द्र विश्वकर्मा, शिक्षक आलोक विश्वकर्मा आदि सैकड़ों गणमान्य लोगों ने सुनयना की सफलता पर शुभकामना और बधाई दिया है। शिक्षक एवं साहित्यकार आशुतोष गिरि दीपक ने विश्वकर्मा परिवार की नित नयी कामयाबी को पूर्वजों का आशीर्वाद और पारिवारिक संस्कार व कड़ी मेहनत का प्रतिफल बताया।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने की आत्महत्या,पत्नी से चल रहा था विवाद

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में पैथोलॉजी में काम करने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। उसका पत्नी से विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल को कोर्ट की तारीख पर ससुराल पक्ष ने जान से मारने की धमकी दी थी। जिससे परेशान युवक ने आत्मघाती कदम उठाया। मृतक श्याम विहार कॉलोनी निवासी अजय कुमार शुक्ला के बेटे अमरदीप कुमार शुक्ला((37) निजी पैथोलॉजी लैब में सैंपल कलेक्शन का काम करते थे। परिजनों के मुताबिक, उनका अपनी पत्नी प्रीति के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों की दो संतान हैं। शादी के कुछ साल बाद से अमरदीप कुमार शुक्ला और प्रीति का विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल को उनकी कोर्ट में तारीख थी। वहां पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। वहां मौजूद प्रीति के जीजा सर्वेश ने जान से मारने की धमकी दी थी।

महिला, विधि और प्रौद्योगिकीः डिजिटल युग में उभरती कानूनी चुनौतियाँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन

प्रयागराज। बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स), विधि विभाग, सी.एम. पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा 11 अप्रैल 2026 को "महिला, विधि और प्रौद्योगिकीरू डिजिटल युग में उभरती कानूनी चुनौतियाँ" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में देशभर से विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महापौर एवं कार्यकारी अध्यक्ष, कायस्थ पाठशाला, प्रयागराज, श्री जितेंद्र नाथ सिंह ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती सुशील कुमारी, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, प्रयागराज; विशेष आमंत्रित श्रीमती प्रियंका मिधा कौशिक, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय; विशिष्ट अतिथि प्रो. आदेश कुमार, डीन, विधि संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; डॉ. अंशुमान मिश्रा, अध्यक्ष, विधि संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा प्रो. एस. एस. सिंह, अध्यक्ष, विधि विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत सत्र अध्यक्ष श्री जितेंद्र नाथ सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने डिजिटल परिवर्तन और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े कानूनी विमर्श की बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने संगोष्ठी की विषय–वस्तु का परिचय देते हुए ऐसे अंतरविषयी विषयों पर अकादमिक चर्चा के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला ने अपने उद्बोधन में प्रौद्योगिकी के सशक्तिकरण पहलुओं तथा

इसके दुरुपयोग के विरुद्ध आवश्यक सुरक्षा उपायों की चर्चा की।

श्रीमती सुशील कुमारी ने विधि, महिला एवं प्रौद्योगिकी के अंतर्संबंध की व्यावहारिक उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। श्रीमती प्रियंका मिधा कौशिक ने समानता को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. आदेश कुमार ने गर्भपात, संसदीय प्रतिनिधित्व तथा महिला सशक्तिकरण हेतु राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर चर्चा की। डॉ. अंशुमान मिश्रा एवं प्रो. एस. एस. सिंह ने युवाओं में विधिक एवं तकनीकी सशक्तिकरण की भावना जागृत की।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) की समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संगोष्ठी का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया, जिसमें ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों सत्र सम्मिलित थे। ऑफलाइन तकनीकी सत्र का संचालन सुश्री निवेदिता कौंडिन्य एवं श्री संदीप अग्रहरि द्वारा किया गया तथा इसकी अध्यक्षता डॉ. गुरपिंदर कौर, सहायक प्रोफेसर, महिला अध्ययन केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं श्रीमती रेनू सिंह ने की। इसके अतिरिक्त दो ऑनलाइन सत्र भी आयोजित किए गएकृएक सत्र का संचालन श्री हिमांशु उपाध्याय द्वारा तथा अध्यक्षता श्री आयुष सरन (विधि अधिकारी, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय) एवं डॉ. प्रतीक सेठ द्वारा की गई, जबकि दूसरे सत्र का संचालन डॉ. अनुश्री पांडेय एवं अध्यक्षता सुश्री मृदानी पांडेय एवं सुश्री रिया सिंह द्वारा की गई। यह कार्यक्रम चौधरी राघवेन्द्र नाथ सिंह, अध्यक्ष, कायस्थ पाठशाला की प्रेरणा से आयोजित किया गया, जिन्होंने सदैव संकाय सदस्यों को ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 51 प्रतिभागियों ने डिजिटल शासन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आईवीएफ एवं डेटा संबंधी निहितार्थ, मासिक धर्म ट्रैकिंग एप्स एवं डेटा गोपनीयता, डीपफेक, मॉर्फिंग तथा सहमति और गोपनीयता से जुड़े समकालीन मुद्दों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किए गए, जिससे सार्थक शैक्षणिक संवाद को बढ़ावा मिला।

इस संगोष्ठी ने विशेष रूप से महिलाओं से संबंधित उभरती डिजिटल कानूनी चुनौतियों के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया तथा डिजिटल युग में जागरूकता, विनियमन और तकनीकी जवाबदेही के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुश्री पांडेय एवं श्री पियूष कुमारेंद्र द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुचारु एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

ताडेपल्लीगुडेम। होम्योपैथी के जनक, डॉ. फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाने के लिए, आज एएसआर. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की देखरेख में एंटेलेचिया होम्योपैथिका 2026 नेशनल संगोष्ठी बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। यह इवेंट उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट, आईपीएच फाउंडेशन और अलीशा एकेडमी के सहयोग से इंडियन होम्योपैथीरू पारंपरिक ज्ञान को साइंस में बदलना थीम पर आयोजित किया गया था। इवेंट की शुरुआत पारंपरिक तरीके से दीप जलाने के साथ हुई। बाद में, डॉ. सीएसएफ हैनीमैन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जानी–मानी हस्तियों, फैकल्टी और डेलीगेट्स ने हैनीमैन की सिद्धांत को याद किया। इस सेमिनार में, विशेषज्ञों ने होम्योपैथी में हुए मॉडर्न बदलावों पर चर्चा की। आईपीएच फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. बी.एस. मोहन ने बात की और क्लिनिकल प्रैक्टिस में साइंटिफिक रिसर्च के महत्व पर ज़ोर दिया और स्टूडेंट्स को एविडेंस–बेस्ड ट्रीटमेंट पर फोकस करने की सलाह दी। संगोष्ठी के समापन के अवसर पर अलग–अलग फील्ड में बेहतरीन काम करने वालों को पुरस्कार प्रदान किये गए। हैनीमैन एक्सीलेंस अवार्डरू डॉ. ओंटेरू महेंद्र यादव, चेयरमैन, आंध्र होमियो एसोसिएशन, हैनीमैन ह्यूमैनिटेरियन अवार्डरू डॉ. श्याम कुमार वैष्णव, 300 से ज़्यादा निशुल्क चिकित्सा शिविरों के आयोजन के लिए के लिए प्रदान किए गए। प्रोफेशनल लीडरशिप के लिए मार्गरेट टायलर अवार्डरू डॉ. ए. अवनी को प्रदान किया गया। इंस्टीट्यूशनल एक्सीलेंस अवाड्र्सरू प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर की कैटेगरी में बेस्ट फैकल्टी, साथ ही बेस्ट मेडिकल ऑफिसर और बेस्ट इंटर्न दिए गए।ˆ..्.ट. ज्वेल ऑफ द ईयररू यह अवार्ड फर्स्ट ईयर से इंटर्नशिप तक के बेस्ट स्टूडेंट्स को दिया गया।

प्रिंसिपल ने सम्मानित किया और धन्यवाद दिया

इस मौके पर, ा्..ट.ञ्भ्ड्ब इंटर्न बैच के स्टूडेंट्स ने अपने प्रिंसिपल को सम्मानित किया। उन्होंने उनकी लीडरशिप में वर्ल्ड होम्योपैथी वीक प्रोग्राम की सफलता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। साथ ही, इंस्टीट्यूशन ने इन प्रोग्राम को ऑर्गनाइज़ करने में उनके खास योगदान के लिए डॉ. पिंगली को खास धन्यवाद दिया।

क्लोजिंग सेरेमनीः मिसेज अकुला विमला का भाषणः एएसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस की डायरेक्टर मिसेज अकुला विमला प्रोग्राम में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं और विजेताओं को अवॉर्ड प्रदान की। उन्होंने उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की दी गई सर्विसेज़ की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में ऑर्गनाइज़ किए गए मेडिकल कैंप से ग्रामीण इलाकों में हेल्थ की हालत के बारे में अवेयरनेस बढ़ी है और बेहतर सर्विसेज़ के लिए सुधार की गुंजाइश है। यह सेमिनार 1 से 10 अप्रैल तक हुए वर्ल्ड होम्योपैथी वीक 2026 के आखिर में ऑर्गनाइज़ किया गया था। खास बात यह है कि इन दस दिनों में 11 फ्री मेगा मेडिकल कैंप ऑर्गनाइज़ किए गए और 2000 से ज़्यादा मरीज़ों को मेडिकल सर्विसेज़ दी गईं।

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय, प्रयागराज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

शिक्षा प्रणाली को 'सिस्टम–केंद्रित' से 'शिक्षक–केंद्रित' बनाने की आवश्यकता

प्रयागराज। यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, निदेशक, जी. बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली को 'सिस्टम–केंद्रित' से 'शिक्षक–केंद्रित' बनाने की आवश्यकता है। सामाजिक उत्तरदायित्व के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए प्रो सिंह ने इस बात पर भी बल दिया कि मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्राणी के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या डॉ. जी. एस. जमन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा को समावेशी, समानतापूर्ण और परिवर्तनकारी बनाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी विचार करने का आह्वान किया कि क्या आज भी भारत की नियति हमारे कक्षाओं में ही निर्मित हो रही है। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. सरोज यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने की तथा सह–अध्यक्षता डॉ. सुरेन्द्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने की। संगोष्ठी में देश के लगभग सात राज्यों से आए प्रतिभागियों द्वारा कुल लगभग 14 शोध–पत्र प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जस्टिन पी. सहाय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा संगोष्ठी की आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. आशीष सैमुअल हूरी ने अतिथियों का सम्मान किया एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

लखनऊ में दुबई से आ रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, डेढ़ घंटे बाद रवाना

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8.22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। फ्लाई दुबई की फ्लाइट (एफजेड–1133) में 154 यात्री सवार थे। तकनीकी टीम ने विमान की जांच की। अब उसमें ईंधन भरा गया। करीब डेढ़ घंटे बाद सुबह 10 विमान को काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया। फ्लाई दुबई के टिकट अन्य कंपनियों की अपेक्षा किफायती माने जाते हैं। 2008 में दुबई सरकार के सहयोग से यह कंपनी शुरू की गई थी। इसका मुख्यालय दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर है। फ्लाई दुबई मध्य पूर्व, एशिया, यूरोप, अफ्रीका के कई शहरों के लिए विमान सेवा चला रही है। भारत के कई शहरों से भी इसकी सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं। लखनऊ में इससे पहले 31 मार्च को एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी।

सभी कुछ देती मिट्टी

(छप्पय)

गाँवों में बन खेत कराकर सबसे खेती।
भोजन,आश्रय,वस्त्र सभी कुछ मिट्टी देती।
बन हरियाली गीत हवाओं को हर्षा के।
भरती मधुर सुगंध प्रीत की वर्षा करके।
धरती है यह गाँव की सबका प्यारा ठाँव है।
पीकर सारी धूप को बनती केवल छाँव है।।

पाकड़ महुआ आम नीम अरु ताल–तलैया।
घर–आँगन के बीच जहाँ रहती गौरैया।
कल पुरजों से दूर बैल करते थे खेती।
रहते थे अति दूर जहाँ रहती थी रेती।
पावन माटी गाँव की जीवन का आधार है।
हरियाली जिसकी सदा कृषकों की मुस्कान है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सब्बल लगाकर खोली एटीएम मशीन की बॉडी, नहीं निकाल पाया कैश

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में एटीएम को तोड़कर लूटने की कोशिश की गई। एक चोर हेलमेट लगाकर बूथ के अंदर एटीएम मशीन के पास गया। उसने सब्बल से मशीन को 7 मिनट तक तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान वो मशीन का कुछ हिस्सा ही तोड़ पाया। लेकिन कैश फिर भी नहीं निकाल पाया। इसके बाद वह वहां से चला गया। मामला बंथरा थाना के पहाड़पुर का है। यहां बनी–मोहनलालगंज रोड स्थित मार्केट में निजी बैंक (हिताची) का एटीएम लगा हुआ है। इसी एटीएम को लूटने की कोशिश की गई। सुबह लोगों ने टूटा एटीएम देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटना का सीसीटीवी कब्जे में लिया है। बंथरा में बनी–मोहनलालगंज रोड में स्थित हिताची के एटीएम में 10 अप्रैल को तोड़फोड़ की गई।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं०: पीआरवाईजे-सिग-003-2026-27 दिनांक: 10.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ समन्0 उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये **खुली निविदा**, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैं।**

निविदा नं.:003	कार्य का विवरण:प्रयागराज मंडल में शेष स्थानों पर पारंपरिक फायर अलार्म सिस्टम को हटाना तथा एस्पिरेशन टाइप स्मोक डिटेक्शन सिस्टम के साथ आरडीएसओ अनुमोदित फायर अलार्म सिस्टम की व्यवस्था।
अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 61250290.89	धरोहर राशि (₹) : ₹ 1225000/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0.00	कार्य समापन की अवधि: बारह माह
निविदा खुलने की तिथि: 05.05.2026	

2. **निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:** निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। **3.धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप:** निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में हैं तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। **4. निविदा खुलने का समय, तथा स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवसपर खोली जायेगी। **5. निविदा की वैधता:** निविदा खुलने के 60 दिन तक। **6. निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार:** रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित / संशोधित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 790/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No.CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 Dated: 08.04.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी हैं।

वाणिज्य विज्ञापन अनुभाग द्वारा आमंत्रित ई-नीलामी

क्रम	वाणिज्य विज्ञापन का विवरण
1.	प्रयागराज मंडल के अलीगढ़ रेलवे स्टेशन की नई स्टेशन बिल्डिंग में बजट होटल, AC, वेटिंग रूम-सह-लाउंज और क्लॉक रूम जैसी बहु-उद्देशीय गतिविधियों के लिए 05 वर्षों की अवधि हेतु ई-नीलामी।
2.	सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन (राजरूपपुर साइड), प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे पर स्थित यात्री परिसर में छोटे निजी समारोहों, सामुदायिक केंद्र और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों के आयोजन के उद्देश्य से 70 महीनों की अवधि के लिए अनुबंध।

ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-ALJN-SFG-26
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 16.04.2026 at 11.00 hrs.

कैटरिंग

S N	Details of publicity	E-Auction catalogue no.	E-Auction Start Date & Time
1.	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें: फतेहपुर (07 स्थान), मैनपुरी (02 स्थान), फिरोजाबाद (04 स्थान)।	PRYJ-MSS-WVM-26	13.04.2026 at 11.00 hrs.
2.	विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए फ्रूट और जूस बार तथा कैटरिंग यूनिट: खागा (02 स्थान), हमीरा (01 स्थान), मैनपुरी (01 स्थान), डबरी (01 स्थान), कानपुर अनवरगंज (01 स्थान), नैनी (01 स्थान), फफूंद (02 स्थान), हाथरस (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), इरादतगंज (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान)।	PRYJ-CATG-26-6	17.04.2026 at 11.00 hrs.
3.	विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों के लिए बहुउद्देशीय स्टॉल: अलीगढ़ (01 स्थान), विंध्याचल (01 स्थान), मानिकपुर (01 स्थान), फफूंद (02 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान)।	PRYJ-MPS-26-2	17.04.2026 at 11.00 hrs.
4.	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें: कानपुर अनवरगंज (04 स्थान), सूबेदारगंज (02 स्थान)।	PRYJ-MSS-WVM-26	17.04.2026 at 11.00 hrs.
5.	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें चुनार (05 स्थान), शिकोहाबाद (04 स्थान), शंकरगढ़ (04 स्थान), फफूंद (04 स्थान), हमीरा (04 स्थान), मनौरी (04 स्थान), बरगढ़ (04 स्थान), मांडा रोड (04 स्थान), विंध्याचल (03 स्थान), खागा (04 स्थान), सिराथू (04 स्थान), हाथरस (04 स्थान), भरवारी (04 स्थान), मेजा रोड (03 स्थान), एटा (02 स्थान)।	PRYJ-MSS-WVM-26	21.04.2026 at 11.00 hrs.

पार्किंग

S N	Details of publicity	E-Auction catalogue no.	E-Auction Start Date & Time
1.	फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन, मैनपुरी रेलवे स्टेशन एवं विंध्याचल रेलवे स्टेशन पर दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्टैंड 03 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध है।	PARKING-MX-26-3	14.04.2026 at 11.00
2.	टूंडला रेलवे स्टेशन पर दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किं स्टैंड 05 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध है।	PARKING-TDL-MX-	16.04.2026 at 11.00

पे & यूज़ (शौचालय)

S N	Details of publicity	E-Auction catalogue no.	E-Auction Start Date & Time
1.	प्रयागराज रेलवे स्टेशन (सिविल लाइन साइड) एवं गोविन्दपुरी रेलवे स्टेशन (PF-02 & 03) पर उपलब्ध पे एण्ड यूज़ शौचालयों के संचालन एवं अनुरक्षण हेतु ठेका 03 वर्षों की अवधि के लिए।	PnU-PRYJ-GOY-To	21.04.2026 at 11.00

पार्सल लीजिंग

S N	Compartment	Train No.	CC (In tones)	From-To	Frequency-(In a week)	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1.	FSLR-1, RSLR-1	04125	3.9	SFG-BDTS	01 days	04125-PRYJ-PRCL	16.04.26, 11.30

नोट:- इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 779/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे–छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस–प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर–दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे–बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। यह गंभीर मुद्दा है जिसके समाधान को केंद्र सरकार को अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। दरअसल, इंटरनेट के तेजी से प्रसार और सोशल मीडिया में अपराधों से जुड़ी घातक सामग्री की उपलब्धता किशोरों में भटकाव को बढ़ावा दे रही है। हिंसक फिल्में और अन्य माध्यमों में अपराध के तौर–तरीके से जुड़ी सामग्री किशोर मन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। देश में संयुक्त परिवारों के बिखराव व बच्चों पर मां–बाप का नियंत्रण कम होने से कई किशोर बुरी संगति के चलते अपराध जगत की फिसलन में उतर जाते हैं। दूसरी ओर स्कूल–कालेजों में शिक्षकों की वह भूमिका नहीं रही, जो सख्ती से किशोरों के व्यवहार को नियंत्रित कर सके। आज उनकी सोच को मोबाइल व सोशल मीडिया पर प्रसारित विकृत सूचनाएं प्रभावित कर रही हैं। समाज के व्यवहार में एक किस्म की आक्रामकता नजर आती है। वहीं दूसरी ओर आपराधिक गिरोह व गैंग भी अपने आपराधिक कृत्यों को अंजाम देने कि लिए किशोरों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल यह भी है कि किशोरों तक घातक हथियार कहां से और कैसे पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, नशे की दलदल में फंसने वाले किशोर भी कालांतर नशा खरीदने के लिये पैसे जुटाने के लिये अपराध की गली में उतर जाते हैं। फिर गंभीर अपराधों को अंजाम देने लगते हैं। निश्चित रूप से बदलते वक्त के साथ पुलिस की भूमिका व कार्यशैली में बदलाव लाने की जरूरत है। साथ ही समाज में भी जागरूकता लानी आवश्यक है ताकि किशोरों को अपराध की राह पर बढ़ने से रोका जा सके। सरकार और समाज के साझे प्रयासों से ही इस संकट से उबरने में मदद मिल सकती है।

अमेरिकी कांग्रेस में ट्रंप पर महाभियोग लगाने की मांग तेज

असद मिजा

ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप की मंगलवार सुबह की ट्रूथ सोशल पोस्ट, जिसमें उन्होंने धमकी दी थी कि श्आज रात पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी और जिससे परमाणु युद्ध का खतरा उत्पन्न हो गया था,ने अमेरिकी सांसदों को झकझोर दिया है, जिसके बाद, ट्रंप पर महाभियोग चलाने या 25वें संशोधन का इस्तेमाल करके उन्हें पद से हटाने की मांगों का सिलसिला शुरू हो गया है। हालांकि अमेरिका, ईरान और इजरायल 7 अप्रैल को दो हफ्ते के युद्धबंदी पर सहमत हो गए थे, लेकिन तेहरान ने एक जवाबी प्रस्ताव भी पेश किया है। इस प्रस्ताव में प्रतिबंध हटाना, युद्ध से हुए नुकसान के लिए एक फंड बनाना, खाड़ी क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की संभावित वापसी, और परमाणु हथियार न बनाने के वादे के बदले ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को मान्यता देना शामिल है। अब तक यह साफ नहीं है कि अमेरिका इनमें से किसी भी प्रस्ताव पर सहमत हुआ है या नहीं। तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से फिर से खोलने पर सहमत हो गया, जबकि व्हाइट हाउस ने इजरायल की भागीदारी की पुष्टि की। यह सफलता पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ बातचीत के बाद मिली, जिसने युद्धबंदी के लिए जोर दिया था। समझौते के तहत, सुरक्षित मार्ग का समन्वय किया जाएगा, जिसमें ईरान और ओमान को वहां से गुजरने वाले जहाजों पर ट्रांजिट शुल्क लगाने की अनुमति होगी। तेहरान इस राजस्व का इस्तेमाल युद्ध के बाद के पुनर्निर्माण कार्यों के लिए करने की योजना बना रहा है।

यह सब अमेरिकी राष्ट्रपति की श्ट्रूथ सोशलश पर की गई एक पोस्ट की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसमें उन्होंने बार–बार अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। जाहिर है, इस पोस्ट ने डेमोक्रेटिक सांसदों को तुरंत वॉशिंगटन लौटने पर मजबूर कर दिया, ताकि वे ईरान युद्ध को खत्म करने के तरीके पर मतदान कर सकें। न्यूयॉर्क के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और हाउस के अन्य शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप श्पूरी तरह से मानसिक संतुलन खो चुके हैंश और राष्ट्रपति को रोकने के लिए मतदान जरूरी है, इससे पहले कि वह देश को तीसरे विश्व युद्ध में धकेल दें, जैसा कि वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रिपोर्ट किया है। ईरान में युद्ध का विरोध करने वाला एक द्विदलीय श्वॉर पावर्स रेजोल्यूशन मार्च में सदन में 212–219 वोटों से पहले ही फेल हो चुका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पद से हटाने के बारे में डेमोक्रेट्स ने जो हिचकिचाहट दिखाई थी कृ यहां तक कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने और कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान पर हमला करने के बाद भीकृ वह ईरान को दी गई उनकी ताजा धमकी के बाद तुरंत खत्म हो गई। यह नरसंहार की धमकी है और इसके लिए उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए। राष्ट्रपति की मानसिक क्षमताएं कमजोर पड़ रही हैं और उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता, प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो–कोर्टेज ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया। राष्ट्रपति की कमांड चेन में शामिल हर व्यक्ति से उन्होंने कहा कि आपका यह फर्ज है कि आप गैर–कानूनी आदेशों को मानने से इंकार कर दें। सीएनबीसी के अनुसार, उन्हें पद से हटाने की चर्चा मंगलवार की ट्रूथ सोशल पोस्ट से पहले ही शुरू हो गई थी, जब ट्रंप ने ईस्टर रविवार की एक पोस्ट के जरिए ईरान को धमकी दी थी कि अगर उसने जल्द ही कोई समझौता नहीं किया, तो वे ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमला कर देंगे। हाउस की पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा कि ट्रंप को किसी भी तरह से पद से हटा दिया जाना चाहिए। पेलोसी ने कहा, अगर कैबिनेट 25वें संशोधन को लागू करने और हालात को सामान्य बनाने के लिए तैयार नहीं है, तो रिपब्लिकन को इस युद्ध को खत्म करने के लिए कांग्रेस की बैठक फिर से बुलानी चाहिए। यहां तक कि ट्रंप के करीबी रिपब्लिकन समर्थक, जैसे विस्कॉन्सिन के रिपब्लिकन सीनेटर रॉन जॉनसन भी, ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे पर बमबारी करने की ट्रंप की धमकियों के मामले में उनसे अलग हो गए। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के सहयोगी जॉनसनकृ जो शायद ही कभी राष्ट्रपति से अलग राय रखते हैं, ने जॉन सोलोमन रिपोर्ट्स पॉडकास्ट में कहा, मैं यह नहीं देखना चाहता कि हम नागरिक बुनियादी ढांचे को उड़ाना शुरू कर दें... हम ईरानी लोगों के साथ युद्ध में नहीं हैं। हम उन्हें आजाद कराने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस समय न तो महाभियोग और न ही 25वें संशोधन का इस्तेमाल होने की संभावना है, क्योंकि दोनों सदनों पर रिपब्लिकन का नियंत्रण है और ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर कोई खुला विद्रोह भी नहीं है। अमेरिका यहूदी काउंसिल फॉर पब्लिक अफेयर्स की सीईओ एमीस्पिटलनिक ने भी राष्ट्रपति ट्रंप की उस धमकी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने ईरान के लिए तय समय–सीमा नजदीक आने पर श्पूरी सभ्यताश को तबाह करने की बात कही थी। अमेरिकी संविधान का 25वां संशोधन किसी राजनीतिक दल के फायदे के लिए नहीं लिखा गया था। इसे ऐसे क्षणों के लिए तैयार किया गया था जब कार्यकारी निर्णय लेने की निरंतरता और स्थिरता पर सवाल उठने लगें। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को दंडित करना नहीं, बल्कि देश की रक्षा करना है। यह केवल विचारधारा की बात भी नहीं है। यह इस बारे में नहीं है कि कोई प्रशासन की व्यापक नीतियों का समर्थन करता है या विरोध। यह क्षमता की बात है। राष्ट्रपति पद के लिए जिस स्तर के विवेक की आवश्यकता होती है, वह नपा–तुला, सुविचारित और परिणामों की गहरी समझ पर आधारित होना चाहिए। राष्ट्रपति द्वारा कहे गएकृया पोस्ट किए गएकृशब्द केवल कोरी बयानबाजी नहीं होते। वे संकेत होते हैं। बाजार उन पर प्रतिक्रिया देते हैं। सहयोगी उनका अर्थ निकालते हैं। विरोधी उनकी श्लचीलेपनश (या सीमा) को परखते हैं। जब ये संकेत अनियंत्रित, भड़काऊ, या रणनीतिक तालमेल से पूरी तरह कटे हुए होते हैं, तो खतरा केवल एक अमूर्त कल्पना बनकर नहीं रह जाता। वह खतरा तत्काल और वास्तविक हो जाता है। मंगलवार शाम को, ट्रंप ने दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की, लेकिन इससे उनके आलोचकों को कोई तसल्ली नहीं मिली। सीनेट में अल्पसंख्यक दल के नेता चक शूमर ने इस घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें श्खुशी है कि ट्रंप पीछे हट गए हैं, और अब वे अपनी बेतुकी शेखी बघारने वाली बातों से बाहर निकलने का कोई न कोई रास्ता बेसब्री से ढूंढ रहे हैंश्य ईरान के खिलाफ राष्ट्रपति ट्रंप की जंग के पीछे की एकमात्र वजह 7 अप्रैल को दिए उनके बयान से साफ जाहिर होती है जिसमें उन्होंने कहा था कि चल रहे संघर्ष के नतीजे के तौर पर अमेरिका ईरान के तेल संसाधनों पर कब्जा कर सकता है, और उन्होंने इसे सैन्य कार्रवाई के बदले मिलने वाले संभावित आर्थिक फायदे के तौर पर पेश किया था। हालांकि ट्रंप के पहले के राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी भाई–भतीजावाद के आरोप लगे थे, लेकिन किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने मौजूदा राष्ट्रपति की तरह वैश्विक संकटों से पैसे कमाने के बारे में इतनी बेशर्मी से खुलकर बात नहीं की थी।

जनगणना में प्रवासी मजदूरों की गिनती जरूरी

अरविन्द मोहन

तो इस बार के चुनाव में भी मजदूरों के पलायन का सवाल आ ही गया। कैसा भी चुनाव हो, विकसित राज्य का हो या पिछड़े राज्य का, पलायन और प्रवासी मजदूर मुद्दा बन जाते हैं। पिछड़ा बिहार हो या विकसित पंजाब, यह मुद्दा है। दिल्ली में तो प्रवासियों का वोट निर्णायक ही माना जाने लगा है पर इस बार चुनाव न बिहार में है न पंजाब में और न दिल्ली में। केरल में चुनाव है तो वह भी खाली होने लगा है। प्रवासी मजदूर सिर्फ रसोई गैस की तंगी से ही नहीं वोट देने के लिए अपने देश बंगाल और असम लौट रहे हैं। तमिलनाडु में बहुत बिहारी मजदूर हैं तो उनका लौटना खास चरचा में नहीं है क्योंकि अभी वे वहां के वोटर नहीं हैं। केरल में तो आर्थिक जीवन ही नहीं हर तरफ प्रवासी बिहारी, झारखंडी, बंगाली और असमिया या ओडिया मजदूरों का श्राजत्वश है। उनके हिसाब से सस्ते होटलों का खाना बनता है, सिनेमा दिखाया जाता है, बसों पर हिन्दी और बांग्ला में तख्तियां लगाकर उनके आने–जाने के स्थान की सूचना दी जाती है, कमरों का किराया तय होता है और उनके बंगाल और असल लौटने की वजह मतदाता सूचियों का बृहद संशोधन और उस नाम पर लोगों के नाम काटने जोड़ने का खेल भी एक वजह है। कई तो अपने अपूर्ण या विवादित दस्तावेज की गवाही के लिए पहले आ गए हैं लेकिन ज्यादातर को लगता है कि वोट गिराने से उनकी नागरिकता पुख्ता होगी। इस बार प्रवासी मतदाताओं की उस तरह लल्लो–चप्पो नहीं हो रही है जैसा अक्सर अब बिहार या दिल्ली या फिर पंजाब चुनाव में दिखाई देता है। वहीं क्यों? अब तो मुंबई और सूरत वगैरह में भी चुनाव के समय भी प्रवासियों की आवाजाही और वोट का सवाल प्रमुख बनता है। पार्टियां उनके लिए खास तौर से उन राज्यों के अपने नेताओं को जिम्मा सौंपती है। मोटा फंड भी दिया जाने लगा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लोग भी पेड लीव और रिटर्न प्लेन टिकट के साथ अपने शहर भेजे जाते हैं। मजदूरों को साड़ी, बिंदी सहित छुट्टी के साथ घर भेजा जाता है। पिछले बिहार चुनाव में दिल्ली और हरियाणा से स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गईं और मजदूरों को मुफ्त में लाया–ले जाया गया। भाजपा ने यह काम किया तो विपक्ष को इसे मुद्दा बनाने का मौका मिला। इस बार न पक्ष सक्रिय है न विपक्ष। सारा जतन प्रवासियों को खुद करना है। हां, इतना जरूर हुआ है कि बार–बार दिखने वाली दुर्दशा के चलते इस बार मीडिया, खासकर सोशल मीडिया में मजदूरों की घर वापसी एक मुद्दा बनकर सामने आई है। इसमें मुख्य मसला रसोई गैस के संकट का है पर किसी बहाने अगर समाज को इनकी सुध आने लगी है तो यह शुभ लक्षण है। बीते काफी वर्षों से इन अभागे मजदूरों के हिस्से जो जलालत और परेशानी की जिंदगी रही है उसमें ऐसे मौके–कुमौके की चर्चा से ज्यादा बदलाव नहीं आना है। उससे न तो अमीर और गरीब इलाकों के विकास का क्रम उलटेगा और न इस फासले से पैदा होने वाले पलायन के हालात। हमारा विकास ऐसे ही आड़ा–तिरछा बढ़ता गया है और उसी क्रम में मजदूरों का पलायन भी। प्रसिद्ध समाजवादी चिंतक इस क्रम को इंटरनल कालोनी वाले तर्क से समझाने की कोशिश करते थे और सिर्फ चुनाव के वक्तनेताओं और भाग्य विधाताओं को इन मजदूरों की याद इसलिए आती हैं क्योंकि इनका वोट है। चुनावी लोकतंत्र में यह चीज इतनी बड़ी है जिसकी कल्पना आसानी से नहीं होती और आज इसी चीज को संदेहास्पद बनाने का जतन भी हो रहा है। जरा कल्पना कीजिए कि अगर यह अधिकार न होता तो इन मजदूरों की सुध लेने का होश किस नेता और अधिकारी को रहता? वर्षों पहले राजीव गांधी की सरकार ने एक अंतरराज्य प्रवासी मजदूर कानून बनाकर कुछ चीजें व्यवस्थित करने का प्रयास किया था तो वह बात जाने कहां पीछे छूट गई है। इसमें अपने प्रांत से बाहर जाने वाले मजदूरों के पंजीकरण की बात थी। इस लेखक की भी राय है कि अगर सिर सही संख्या सामने आ जाए तो कोई भी सरकार और नेता इनकी उपेक्षा करने का साहस नहीं कर सकता। फिर कोरोना की तालाबंदी में इन लाखों मजदूरों की जो दुर्गति हुई थी वह भी थमती। अभी इस लेख को लिखने का प्रयोजन चुनाव और मजदूरों की आवाजाही बढ़ाने या तकलीफों को बताने का नहीं है। हम जानते हैं कि लंबे इंतजार और सात–आठ साल की देरी से अभी जनगणना का काम शुरू हुआ है। घर गिनती से शुरुआत हुई है। अभी तक अपने यहां मजदूरों के पलायन का कोई ढंग का या अधिकृत आंकड़ा नहीं है। जब घर–घर जाकर सबको गिनने का क्रम चल रहा है तो इस श्रेणी को भी पर्याप्त महत्व देकर अलग स्थान दिया जाए। यह काम किसी एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से नहीं होगा, घर–घर जाकर ही होगा। अपने यहां जनगणना लगातार दस साल पर हुई है, सिर्फ इसी बार क्रम तोड़ा गया है। अब उन कारणों में न जाएं और मोदी सरकार को आंकड़ों से डरने वाला न भी बताएं तो यह कहना जरूरी है कि जब पचीसों पैमाने वाले आंकड़े जुटाए जा रहे हैं तो यह आंकड़ा भी जुटाया जाए, मजदूरों से संबंधित आंकड़े भी लिए जाएं। इन दो मामलों में काफी घालमेल है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'बुढ़ापे की लाठी'

आज दैनिक अखबार में सुप्रीम कोर्ट का आदेश पढ़कर रिया के हौसले और बुलंद हो गए। हाथ में अखबार लिए वह दौड़ते हुए अपनी सास सुमन जी के सामने आकर खड़ी हो गयी। देखिए मम्मी जी अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है कि बहू बेटे अलग रह सकते हैं। सुमन ने अर्थपूर्ण दृष्टि से रिया को देखा और चुपचाप उठ कर वहाँ से चली गयीं।

दोपहर डाइनिंग टेबल पर एक बार फिर से यह चर्चा उठी। रिया पहले भी कई बार अप्रत्यक्ष रूप से कह चुकी थी कि उसे ऑफिस दूर पड़ता है वह वहीं कहीं पास में फ्लैट ले ले तो अच्छा रहे, पर बात आई गई हो जाती थी। रिया और बेटा शिवम दोनों इसी पक्ष में थे कि अलग फ्लैट ले लिया जाए।

शिवम के पिता आनन्द जी बच्चों के अलग होने की बात सुनकर कई दिनों से तनाव में चल रहे थे। वह ख़ामोश रहने लगे थे।

आज सुमन जी गम्भीर मुद्रा में बैठीं थी। उन्होंने इस मसले को निपटाने का विचार कर लिया था। उन्होंने रिया और शिवम की ओर देखते हुए कहा, ष्तुम लोग खुशी–खुशी अपनी गृहस्थी अलग बसा सकते हो। हम पति पत्नी का तुम्हारे जीवन में कभी कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। जब भी मन हो तुम लोग हमसे मिलने आ सकते हो। बस एक शर्त है कि जो जायदाद हम दोनों ने अपना खून पसीना एक करके बनायी है उससे तुम दोनों को एक फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी। हम लोग अपने रहने भर की जगह छोड़ सब बेच देंगे। जो पैसा आएगा वह हमारे बुड़ापे की लाठी बनेगा। जाओ अपना सामान बाँध लो।

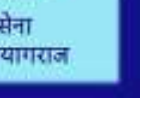

–सीमा वर्णिका, कानपुर

ज्ञानेश कुमार को गुस्सा क्यों आता है?

पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच केन्द्रीय निर्वाचन आयोग एक बार फिर गलत कारणों से सुर्खियों में आया है। बुधवार को चुनाव आयोग की सोशल मीडिया एक्स पर लिखी एक पोस्ट से सवाल उठने लगे कि क्या एक संवैधानिक संस्था की भाषा और लहजा ऐसा होना चाहिए। दरअसल आयोग के आधिकारिक हैंडल पर लिखा था– चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भयरहित, हिंसारहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ और सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे। पहले तो यह संदेह हुआ कि यह वाकई चुनाव आयोग ने लिखा है या किसी ने आयोग की छवि खराब करने के लिए इस तरह तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर दो टूक बात कही है। क्योंकि पहले चुनाव से लेकर अब तक कभी ऐसा नहीं हुआ जब चुनाव आयोग ने सीधे किसी दल का नाम लेकर उसके लिए इस भाषा में बयान दिया हो। विपक्ष और आयोग के बीच कई बार रस्साकशी हुई है। बीते कुछ सालों में यह तनाव ज्यादा बढ़ गया है। जिसमें विपक्ष बार–बार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाता है और इस बार तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव लाने की तैयारी भी विपक्ष ने कर ली थी, जो सफल नहीं हुई। लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव आयोग में बैठे लोगों ने किसी एक दल का नाम लेकर ऐसी टिप्पणी नहीं की, जो अब की गई है। इसके बाद अब यही बचता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के नेताओं का नाम लेकर उन्हें जवाब देने लगे। क्योंकि निष्पक्षता नाम की चिड़िया शायद डाल से उड़ चुकी है। यह पोस्ट चुनाव आयोग ने ही डाली है, इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है, क्योंकि इसकी बाकायदा पृष्ठभूमि भी सामने आई है। दरअसल पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद 90.66 लाख वोटरों के नाम हटाने के विरोध में टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला। डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष, साकेत गोखले और मेनका गुरुस्वामी इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। टीएमसी के इस दल ने मुख्यतः दो बातों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा कि ममता बनर्जी ने अब तक नौ पत्र चुनाव आयोग को लिखे हैं, लेकिन लंबे समय से आयोग चुप बैठा है, पत्रों का जवाब नहीं दे रहा। और दूसरी शिकायत नंदीग्राम में मुख्य चुनाव अधिकारी और एक वरिष्ठ भाजपा नेता के बीच कथित सांठगांठ को लेकर थी। ये कोई ऐसी शिकायतें नहीं हैं, जिनका जवाब नहीं दिया जा सकता। लेकिन चार लोगों के साथ यह बैठक केवल सात मिनट ही चली। टीएमसी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनकी बातें नहीं सुनी और सात मिनट की बातचीत के बाद उन्हें गेट आउट कहा। डेरेक ओब्रायन ने कहा, चुनाव आयोग ने हमें अपमानित किया और परिसर छोड़ने को कहा। फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी फैलाई। यह भाजपा की साजिश है। लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग की उपरोक्त पोस्ट इस बैठक के बाद ही आई है। आयोग इस बात पर इठला रहा है कि उसने टीएमसी को दो टूक जवाब दे दिया, लेकिन क्या यह शर्मिन्दगी की बात नहीं होनी चाहिए कि एक राजनैतिक दल के सवालों का संतोषजनक जवाब देने की जगह यह ढिंढोरा पीटा जाए कि हमने दो टूक जवाब दे दिया। इसका एक अर्थ यह भी होता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए खुद को जिम्मेदार नहीं मानता है। बुधवार की बैठक के बारे में टीएमसी के आरोपों पर निर्वाचन आयोग का कहना है कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने मीटिंग ने चिल्लाते हुए कहा कि हम यहां बात सुनने नहीं आए हैं। इसके बाद मीटिंग में माहौल गरमा गया और टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल चला गया। हालांकि अब इस दल के सदस्यों ने निर्वाचन आयोग को चुनौती दी है कि वह इस बैठक की ट्रांसक्रिप्ट जारी करे। टीएमसी ने यह भी कहा है कि अगर आयोग इसे जारी नहीं करेगा तो हम इसे जारी करेंगे। अब बैठक किस वजह से पूरी नहीं हुई और किसने पहले आपा खोया, क्यों खोया? और क्या ऐसी तनातनी लोकतंत्र के लिए सही है? इन सारे सवालों के जवाब देश को दिए जाने चाहिए, इसकी पहल चुनाव आयोग से ही होना चाहिए।

शिल्पा शिंदे ने कहा– मुझे इस काम के लिए बुलाया गया लेकिन मुझे मजा ही नहीं आ रहा था

'भाबीजी घर पर हैं' कि अंगूरी भाभी शिल्पा शिंदे का मानना है कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है। उन्होंने कहा– मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी शिल्पा शिंदे शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम शबिग बॉसश में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार–बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है। बीते दिनों लखनऊ आईं 'भाबीजी घर पर हैं' कि अंगूरी भाभी से खास बातचीत। बगावत करें पर अपने मुद्दों को सही से भी रखा' शिल्पा शिंदे ने कहा, श्मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े–लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।श स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पतिदृपत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। सम्मान हमेशा दोनों तरफ से बराबर होना चाहिए, ना किसी का ज्यादा, ना किसी का कम। जब यह बैलेंस टूटता है तो औरत को लगता है कि उसने बहुत त्याग किया, लेकिन उसकी कद्र नहीं हुई। मैंने अपने आसपास देखा है कि कई सासें, बहू को आसानी से स्वीकार नहीं कर पातीं, चाहे उनकी खुद की बेटी भी हो। वह सास, सास ही रहती है। बहुत कम लोग होते हैं, जो अपने बेटे को डांटकर बहू की साइड लेते हैं, जबकि बात सिर्फ समझाने और शांत रहने से भी संभल सकती है पर जब एक तरफ से समझदारी नहीं होती तो गुस्सा फूट पड़ता है और स्थिति बिगड़ जाती है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना। अगर एक चिल्ला रहा है, तो दूसरे को संयम दिखाना चाहिए। यही छोटी–छोटी बातें रिश्तों को बचाती हैं। रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत जरूरी देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि महव हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। मैं चाहे किसी बड़ी कंपनी की ब्र्द हो जाऊं पर घर में वह मेरा पति है तो हर बात उसी तरीके से नहीं कही जा सकती जैसे दफ्तर में कही जाती है। असल दिक्कत तब होती, जब लोगों को पता ही नहीं होता कि कौन–सी चीज किस वजह से हो रही है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन–सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए। निष्कर्ष सिर्फ इतना है कि रिश्ते ईगो से नहीं, समझ और संतुलन से चलते हैं। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है। मैंने साफ कहा था कि अगर काम ऐसे चलेगा तो मजा नहीं आएगा। जो पहले वाली मस्ती थी, जो नैचुरल फन था, वो नहीं दिख रहा था। मुझे इस काम के लिए बुलाया गया लेकिन मुझे मजा ही नहीं आ रहा था। यही वजह है कि आज मेरा वापस आना अपने आप में एक प्रूफ है कि अंडरस्टैंडिंग और सामने वाले को समझकर निर्णय लेना कितना जरूरी होता है। मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं।

समंदर के बीच बास लेडी बनीं परिणीति चोपड़ा, क्रूज पर किया नए शो का धमाकेदार लॉन्च

बॉलीवुड की चुलबुली और टैलेंटेड एक्ट्रेस च्तपदममजप बेवचतं इन दिनों अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं।

परिणीति ने अपनी इन तस्वीरों के साथ एक बेहद प्यारा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, अपने शो को लॉन्च करने के लिए इससे बेहतर लोकेशन नहीं चुन सकती थी। जीवन भर के लिए वॉटर बेबी ! आने के लिए आप सभी का शुक्रिया ! उनके इस कैप्शन से साफ है कि वह अपने किसी नए प्रोजेक्ट या शो की शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसके लिए उन्होंने समंदर की लहरों के बीच एक आलीशान क्रूज को चुना। तस्वीरों में परिणीति चोपड़ा का लुक किसी ब्लैक स्वान से कम नहीं लग रहा है। उन्होंने एक बेहद खूबसूरत ऑल–ब्लैक को–ऑर्ड सेट पहना है, जिसमें एक लॉन्ग स्लीव टॉप और एक वॉल्यूमिनस ट्यूल स्कर्ट शामिल है। उनके आउटफिट की सबसे खास बात उनकी कमर पर बना एक बड़ा सा ब्लैक रोज (गुलाब) है, जो उनके लुक में एक ड्रामेटिक और हाई–फैशन टच जोड़ रहा है।

परिणीति ने अपने इस भारी–भरकम आउटफिट के साथ मेकअप को काफी सटल रखा है। विंग्ड आईलाइनर, न्यूड लिपस्टिक और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को कम्पलीट किया है। उन्होंने कानों में छोटे डायमंड ईयररिंग्स और हाथों में एक आकर्षक रिंग पहनी है, जो उनके डार्क आउटफिट के साथ खूब जंच रही है। उनके पैरों में ब्लैक स्ट्रैपी हील्स उनके एलिगेंट लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

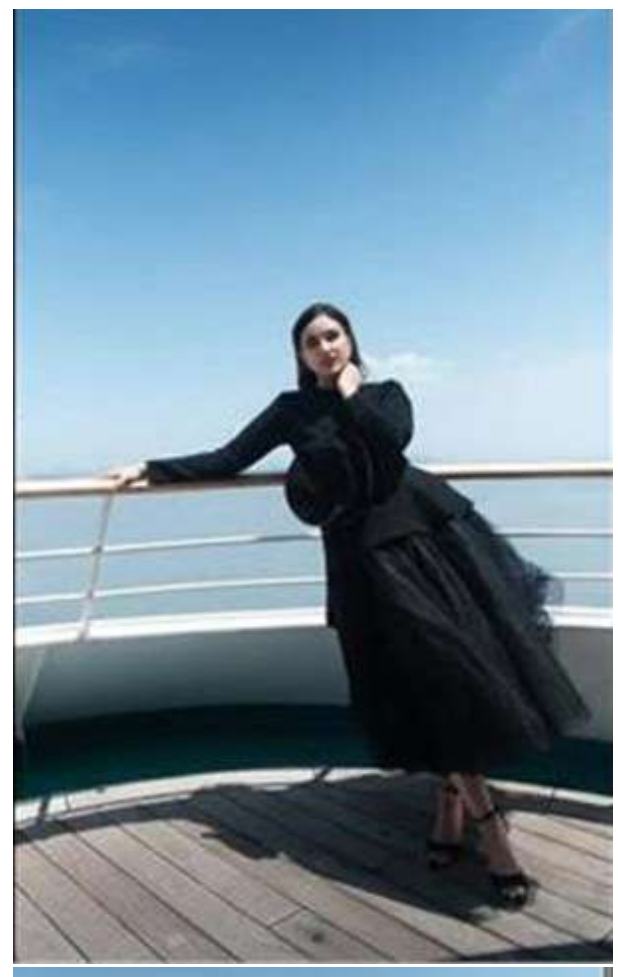

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा की फिल्म श्रहना है तेरे दिल मेंश आज भले ही कल्ट क्लासिक मानी जाती हो, लेकिन रिलीज के वक्त इस फिल्म के फ्लॉप होने का खामियाजा एक्ट्रेस को भुगतना पड़ा था। दीया ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में खुलासा किया कि कैसे एक दौर में उन्हें इंडस्ट्री में श्पनौतीश और श्बदकिस्मतश मान लिया गया था और उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। ऐश्वर्या से होती थी तुलना, फिर श्पनौतीश का टैग इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में दीया ने बताया कि करियर की शुरुआत में उनकी तुलना ऐश्वर्या राय से की जाती थी। एक्ट्रेस ने कहा, ष्मुझे याद है कि मेरी एक बड़ी फिल्म फ्लॉप हुई और अचानक सब बदल गया। जो लोग मुझे काम देने के लिए लाइन लगाए रहते थे, वही मुझे श्पनौतीश समझने लगे। मैंने उस दौर में बहुत कुछ झेला है, जहां मुझे सिर्फ इसलिए काम नहीं दिया जा रहा था क्योंकि लोग मुझे अनलकी मानने लगे थे।ष राजकुमार हिरानी से कहा– श्प्लीज मुझे काम दीजिएश दीया के मुताबिक, उनके करियर में टर्निंग पॉइंट फिल्म श्संजूश से आया।

एक्ट्रेस कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जल्द ही अपकमिंग फिल्म श्कॉकटेल 2श में नजर आने वाली है. फिल्म में दोनों एक्ट्रेसेस धमाल मचाने की तैयार है. ऐसे में आइए जानते है कि कृति और रश्मिका में से किसकी नेटवर्थ ज्यादा है. कृति सेनन बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं. कृति ने अपनी मेहनत को दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है. कृति ने श्बरेली की बर्फीश, श्लुका छुपीश, श्दिलवालेश, 'दो पत्ती' और श्हाउसफुल 4श जैसी हिट फिल्मों में काम किया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृति सेनन की नेटवर्थ 82 करोड़ रुपये हैं. एक्ट्रेस एक फिल्म के लिए करीब 4 करोड़ की फीस लेती हैं. कृति फिल्मों के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट्स, सोशल मीडिया और अपने स्किनकेयर ब्रांड श्हाइफनश और प्रोडक्शन हाउस श्ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्सश से मोटी कमाई करती हैं. एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना साउथ के साथ बॉलीवुड का भी फेमस चेहरा बन चुकी हैं. उन्होंने श्पुष्पाश, श्छावाश और श्एनिमलश जैसी शानदार फिल्मों में काम किया है. नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक रश्मिका मंदाना की नेटवर्थ 66 करोड़ रुपए है. वों एक फिल्म के लिए वो 4 से 5 करोड़ चार्ज करती हैं. फिल्मों के अलावा रश्मिका मॉडलिंग, ब्रांड एंडोर्समेंट और स्टेज शोज से कमाई करती हैं. एक्ट्रेस का श्डियर डायरीश नाम से अपना परफ्यूम ब्रांड भी है.

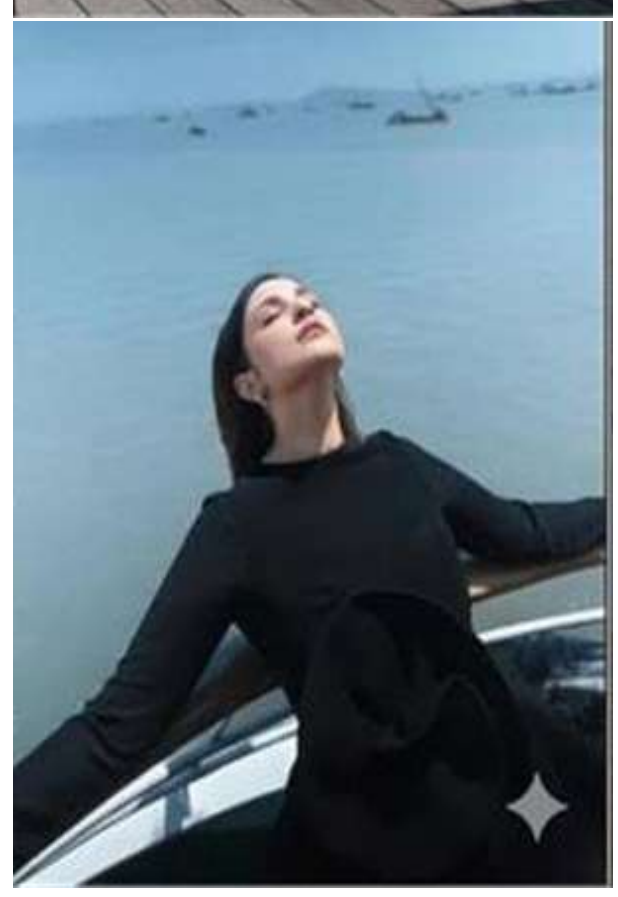

बार-बार हिचकी आने से हालत हो गई है खराब तो राहत देंगे ये घरेलू उपाय

अक्सर कहा जाता है कि व्यक्ति को हिचकी तब आती है जब उसे उसका कोई अपना याद कर रहा होता है। अगर आप भी अब तक ऐसा ही मानते आए हैं तो इस खबर को पढ़ने के बाद शायद ही अगली बार ऐसा कुछ कहेंगे। जी हां, साइंस की मानें तो हिचकी आने का मुख्य कारण डायफ्राम में सिकुड़न,गैस, पाचन में गड़बड़ी, गर्दन में किसी प्रकार का ट्यूमर या गांठ या मस्तिष्क में चोट हो सकता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को लगातार हिचकी आती रहती है। आमतौर पर हिचकी थोड़ी देर बाद खुद ही ठीक हो जाती है। लेकिन आपको अगर लगातार हिचकी आ रही हैं तो आप ये आयुर्वेदिक उपाय अपनाकर इस समस्या को दूर कर सकते हैं।

हिचकी रोकने के घरेलू नुस्खे–

हींग और घी–

कई बार पेट में गैस बनने पर भी हिचकी की समस्या परेशान कर सकती है। ऐसा होने पर आप हींग और घी के इस नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस उपाय को करने के लिए एक चम्मच घी में 2–3 चुटकी हींग मिलाकर गैस पर गर्म कर लें। अब इसे एक गिलास छाछ में मिलाकर पी जाएं। दिन में 2 बार इसे पीने से हिचकी रोकने में काफी सहायता मिलेगी।

काली मिर्च–

बार–बार हिचकी आने पर काली मिर्च का सेवन करें। इस उपाय को करने के लिए 2–3 काली मिर्च के दाने लेकर उसमें आधा चम्मच चीनी मिलाकर धीरे–धीरे चबाएं। ऐसा करने से हिचकी जल्दी रुक जाती है।

ठंडे पानी से गरारे–

बार–बार हिचकी आने पर आप ठंडे पानी से गरारे करें। ऐसा करने से हिचकी रोकने में मदद मिलती है। दरअसल, ठंडे पानी के गरारे करने से मांसपेशियां शांत हो जाती हैं, जिससे हिचकी रूक सकती है।

ये अन्य उपाय भी हैं कारगर–

पेपर बैग का इस्तेमाल–

एक पेपर बैग लेकर उसमें सांस फूंकने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए अपनी नाक और मुंह को पेपर बैग से ढक्कर ही सांस अंदर लें और छोड़ें। ऐसा करने से भी हिचकी रुक जाती है। लेकिन ऐसा करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आप जिस बैग में सांस ले और छोड़ रहे हैं वो प्लास्टिक की थैली का नहीं बल्कि पेपर का ही बना हुआ हो।

–हिचकी न रुकने पर गहरी सांस लेकर उसे कुछ सेकंड के लिए रोककर रखें। एक रिसर्च के अनुसार फेफड़ों में जब कार्बन डाइऑक्साइड भर जाती है तो उसे डायफ्राम बाहर निकालता है। जिसकी वजह से हिचकी रुक जाती है।

डॉक्टर की सलाह–

आमतौर पर हिचकी को एक आम समस्या समझा जाता है। जो थोड़ी देर बाद ठीक भी हो जाती है। लेकिन यदि किसी व्यक्ति को बार–बार और कई घंटे तक लगातार हिचकी आती रहे तो ये खतरे की तरफ इशारा हो सकता है। हिचकी के साथ अगर बुखार, दर्द और जी मतलाना और सांस लेने में भी कठिनाई महसूस हो रही हो तो डॉक्टर को दिखाने में देर न करें।

रात की बची रोटी से बनाएं पनीर रोल, तंदूरी स्वाद लगता है लाजवाब

रात की बची रोटियों को अगले दिन कोई भी खाना पसंद नहीं करता है। लेकिन जब आप इसकी मदद से एक टेस्टी डिश तैयार करेंगे, तो हर कोई इसे और खाने की मांग करेगा। यहां हम बता रहे हैं बासी रोटी से तंदूरी पनीर रोल बनाने की रेसिपी। ये स्वाद में लाजवाब लगती है, और इसे आप सुबह के नाश्ते में बच्चों–बड़ों को सर्व कर सकते हैं। यहां देखिए इसे बनाने का तरीका–

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए

– बासी रोटी
– धनिया की चटनी
– दही
– पनीर
– कद्दूकस किया हुआ अदरक
– कद्दूकस किया हुआ लहसुन
– लाल मिर्च पाउडर
– धनिया पाउडर
– गरम मसाला
– जीरा पाउडर
– तंदूरी मसाला
– नमक
– प्याज
– घी

कैसे बनाएं

– इसे बनाने के लिए एक बर्तन में दही लें और फिर इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, गरम मसाला, तंदूरी मसाला, कद्दूकस किया हुआ अदरक, कद्दूकस किया हुआ लहसुन और नमक स्वादानुसार डालें और अच्छे से मिक्स करें।

– इस पेस्ट में पनीर के कुछ क्यूब्स डालें और फिर से एक बार मिक्स करें। फिर एक पैने में घी गर्म करें और पनीर को थोड़ा सेक लें। 3 से 4 मिनट में इसे उतार लें।

– अब बासी रोटी लें और फिर उस पर हरी चटनी लगाएं। एक तरफ पनीर के मिश्रण को फैलाएं और फिर ऊपर से थोड़ा प्याज डालें। फिर रोटी को रोल करें।

वजन घटाने के लिए नाश्ते में खाएं ये चीजें, गलत ऑप्शन चुनना पड़ेगा भारी

वजन कम करने वाले के सामने अक्सर यह कन्फ्यूजन होता है कि क्या खाएं और क्या न खाएं। कई बार कुछ चीजें हेल्दी तो होती हैं पर उनका कैलोरी काउंट ज्यादा होता है। अनजाने में लोग ऐसी फूड्स खा लेते हैं जो उनके वेट लॉस गोल्स पर पानी फिर जाता है। अगर आप ऐसा सोचते हैं कि वजन घटाने के लिए ब्रेकफास्ट ही स्किप कर देना चाहिए तो यह भी गलत है। वजन कम करने का सबसे अच्छा तरीका है कि हेल्दी खाते हुए कैलोरी काउंट कम कर दें। यहां आपकी मदद के लिए हैं कुछ ब्रेकफास्ट आइडियाज। आप वेट कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो इन्हें ट्राई कर सकते हैं।

पोहा

पोहा जल्दी बन जाता है। इसमें आप ढेर सारी सब्जियां डालकर इसकी न्यूट्रीशन वैल्यू बढ़ा सकते हैं। पोहे को जरा से तेल में बनाएं तो एक कप पोहे में 160 कैलोरीज होती हैं। इसमें आप मूंगफली, पनीर, स्प्राउट्स, अनार, मटर, गाजर, टमाटर जैसी कई पौष्टिक चीजें डाल सकते हैं।

इडली–सांभर

वेट लॉस करने वालों के लिए इडली–सांभर बेस्ट नाश्ता है। यह प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और प्रोबायोटिक्स का बढ़िया कॉम्बिनेशन है। आप इडली के बैटर के लिए मल्टीग्रेन्स भी यूज कर सकते हैं।

ऑमलेट

अगर आप अंडा खाते हैं तो आप अंडों का ऑमलेट बना लें। इसे हल्का घी लगाकर बना लें तो गुड फैट भी बॉडी में पहुंचेगा। आपको उबले अंडे पसंद हैं तो वो भी खा सकती हैं।

मल्टी ग्रेन पराठा

मल्टी ग्रेन पराठा भी वेट लॉस करने वालों के लिए अच्छा ब्रेकफास्ट है। आप इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू बढ़ाने के लिए ब्रोकली भी भर सकते हैं।

स्प्राउट्स की सलाद

स्प्राउट्स में भी कई तरह के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और ऐंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं। आप मूंग की दाल को अंकुरित करके इसमें प्याज, टमाटर, सेब, अनार वगैरह के साथ मिलाकर खा सकते हैं। चाहें तो इसमें नींबू और चाट मसाला भी डाल लें।

यहां बताए गए ब्रेकफास्ट ऑप्शंस के साथ आप दही, छाछ या कॉफी ले सकते हैं। कॉफी में चीनी न डालें।

लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए बेस्ट है आयुर्वेद का ये नुस्खा, फौरन मिलेगा फायदा

बेहतर स्वास्थ्य के लिए ब्लड प्रेशर का कंट्रोल में होना आवश्यक होता है। लेकिन कई कारणों से ब्लड प्रेशर में उतार–चढ़ाव देखने को मिलता है। बल्ड प्रेशर के लो या हाई होने पर सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। आपको बता दें कि किसी भी स्वस्थ व्यक्ति का नॉर्मल ब्लड प्रेशर 120/80mm Hg होना चाहिए। जब किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 90/60 उउ भ्ह से नीचे चला जाता है। तब इसको लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी व हाइपोटेंशन भी कहा जाता है।

लो ब्लड प्रेशर के लक्षण

जब किसी व्यक्ति को बल्ड प्रेशर कम हो जाता है तो उसे कई समस्याएं हो सकती हैं। लो ब्लड प्रेशर होने पर व्यक्ति को थकान, कमजोरी, बेचौनी, धुंधला दिखना, उलझन, ध्यान लगाने में परेशानी, मतली जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

इलाज

लो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के कई उपाय हैं। वहीं आप डॉक्टर की मदद से भी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार द्वारा बताए गए ब्लड प्रेशर के सस्ते और असरदार उपाय बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आप बी लो ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान हैं तो इन उपायों को आजमा सकते हैं।

हिमालयी नमक

डॉक्टर दीक्षा भावसार के मुताबिक एक गिलास सादे पानी में आधा चम्मच हिमालयन नमक मिलाकर पीना चाहिए। इससे आपको लो ब्लड प्रेशर में राहत मिलेगी। आयुर्वेद के अनुसार, हिमालयन नमक सेहत के लिए फायदेमंद होता है और इसमें तीन दोषों को संतुलित करने की क्षमता पाई जाती है।

कंट्रोल में रखता है ब्लड प्रेशर

हिमालयन सेंधा नमक पोटेशियम का अच्छा स्त्रोत माना गया है। यही कारण है कि इसकी मदद से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है। अगर आपके परिवार के किसी भी सदस्य का अचानक से ब्लड प्रेशर कम हो जाए तो आप इस नुस्खे का उपयोग कर सकते हैं। जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में आ जाएगा।

हिमालयन नमक के फायदे

हिमालयन नमक को गुलाबी नमक भी कहा जाता है। हिमालयन नमक स्वाद में नमकीन होने के साथ ही थोड़ा मीठा भी होता है। साथ ही इसकी तासीर ठंडी होती है और यह आसानी से पच जाता है। सैंधव लवण की तासीर ठंडी होने के चलते यह पित्त को भी संतुलित करने में सहायक होता है। हिमालयन नमक त्वचा रोगों के लिए भी एक बढ़िया ऑप्शन है।

छाती की जकड़न

डॉक्टर ने बताया कि हिमालयन नमक का स्वाद नमकीन होने के कारण यह वायु को संतुलित करता है। यह नमक थूक को बाहर निकालकर सीने की जकड़न को दूर करने में सहायक होता है। इसके अलावा कफ में भी राहत मिलती है।

हाइड्रेटेड

हिमालयन नमक के पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह विषाक्त पदार्थों को बॉडी से बाहर निकालने में मदद करता है। साथ ही आपकी बॉडी को हाइड्रेट करने में मदद करता है। हिमालयन नमक उन मिनरल्स की भरपाई करता है जो खो जाते हैं।

गले की खराश और खांसी का इलाज

अगर आप भी गले की खराश से परेशान हो गए हैं तो पानी में हल्दी और हिमालयी नमक मिलाकर गरारे करने से खराश में राहत मिल सकती है। इसमें पाए जाने वाले डिकंजेस्टेंट गुण आपकी बंद नाक और खांसी से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह नाक और गले की कैविटी को भी साफ करता है।

फूलों से महकाएं अपना आशियाना, गर्मियों के मौसम में घर में जरूर लगाएं ये 6 फूल

घर हर कोई अपने अनुसार सजाना पसंद करता है कोई हरे–भरे पौधों के साथ तो कुछ लोग रंग–बिरंगे फूलों के साथ अपना आशियाना सजाते हैं। ऐसे में अगर आपको भी रंग–बिरंगे फूल अपने घर में लगाने पसंद है को गर्मियों में आप इन फूलों के साथ अपना आशियाना सजा सकते हैं। इससे आपका घर भी रंग–बिरंगा दिखेगा और इन फूलों की खासियत यह है कि यह गर्मियों की कड़कड़ाती धूप में खराब भी नहीं होंगे। तो चलिए आपको बताते हैं ऐसे फूल जिन्हें आप घर में लगा सकते हैं...

सूरजमुखी का फूल

आप घर में सूरजमुखी का फूल लगा सकते हैं। इस फूल को उगने के लिए तेज धूप की जरुरत होती है ऐसे में इस मौसम में अच्छी धूप मिल जाएगी और आप आसानी से इसे घर में लगा सकते हैं।

गुड़हल का फूल

इस मौसम में आप गुड़हल का फूल लगा सकते हैं यह देखने में भी बहुत ही सुंदर होता है। यह कई तरह के रंगों में पाया जाता है। ऐसे में आप लाल रंग का फूल अपने घर में लगा सकते हैं।

गेंदे का फूल

गेंदे का फूल खूबसूरत होने के साथ–साथ खुशबूदार भी होता है। ऐसे में इसे आप घर में आासनी से लगा सकते हैं। घर के बगीचे में इसे लगाकार आप खुशबूदार और खूबसूरत बना सकते हैं।

ओलियंडर

ओलियंडर का फूल आप घर में लगा सकते हैं। इस पौधे पर फूल सिर्फ गर्मियों में ही खिलते हैं ऐसे में आप इसे अपने घर में इस मौसम में सजा सकते हैं। गुलाब, सफेद और पीले रंग के कनेर के फूल अपने घर में सजा सकते हैं। इसके पौधे और फूलों से कई तरह की दवाईयां भी बनाई जाती हैं।

गोम्फ्रेना

गोम्फ्रेना का फूल जिसे बटन फ्लावर भी कहते हैं इसे आप गर्मियों में अपने घर में लगा सकते हैं। यह लाल, गुलाबी, सफेद और बैंगनी कई रंगों में दिख जाएंगे। इसके अलावा यह एक महीने के बाद सूखना शुरु हो जाते हैं ऐसे में आप कुछ समय के लिए इन्हें घर में लगा सकते हैं।

बोगनविलिया

गर्मियों के मौसम में आप बोगनविलिया का पौधा लगा सकते हैं। यह आपको कई तरह के रंगों में मिल जाएंगे। साथ–साथ में कटिंग करके इस पौधे की ग्रोथ काफी अच्छे से होने लगेगी। इसके अलावा ढाई तीन महीने में यह पौधा अच्छी तरह से बढ़ने लगेगा।

संक्षिप्त

पश्चिम एशिया के नाजुक हालात के बीच सोने-चांदी में जोरदार तेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे भू–राजनीतिक तनाव और अमेरिका–ईरान के बीच संभावित युद्धविराम की खबरों का सीधा असर सर्राफा बाजार पर दिख रहा है। कमजोर होते अमेरिकी डॉलर और कूटनीतिक स्तर पर बन रही उम्मीदों के चलते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया, जबकि सोना भी मजबूत होकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को चांदी की कीमत 3,800 रुपये या 1.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर 2,47,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई, जिससे गुरुवार की गिरावट (2,43,200 रुपये प्रति किलोग्राम) की पूरी तरह भरपाई हो गई। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 400 रुपये बढ़कर 1,55,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो पिछले कारोबारी सत्र में 1,54,900 रुपये के स्तर पर थी। इस तेजी ने कीमती धातुओं के लिए एक बेहद मजबूत सप्ताह का समापन किया है। पूरे कारोबारी हफ्ते के दौरान चांदी की कीमत में 10,000 रुपये (4.2 प्रतिशत) और सोने में 3,800 रुपये (2.51 प्रतिशत) की शानदार साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख कायम है, जहां हाजिर सोना 11.52 डॉलर या 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,777.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी लगभग 1 प्रतिशत बढ़कर 75.91 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। इंडसइंड सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी के अनुसार, अमेरिका–ईरान युद्धविराम के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिसने अर्थव्यवस्था में फिर से मुद्रास्फीति बढ़ने और ब्याज दर में संभावित बढ़ोतरी की चिंताओं को कम कर दिया है। इसी के चलते सोना 4,700 डॉलर के ऊपर स्थिर है और लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त की ओर है। इसके अलावा, सुरक्षित निवेश के रूप में उभरे अमेरिकी डॉलर में आई नरमी ने भी बाजार की सकारात्मक धारणा को और समर्थन दिया है। ऑगमोंट की शोध प्रमुख रेनीशा चौनानी ने बताया कि ईरान विवाद पर एक सतर्क कूटनीतिक आशावाद और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से कीमती धातुओं की कीमतों में यह मजबूती आई है। हालांकि, भू–राजनीतिक मोर्चे पर कुछ बड़े घटनाक्रम वैश्विक निवेश धारणा को लगातार प्रभावित कर रहे हैंरू इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि लेबनान में उनका सैन्य अभियान अमेरिका–ईरान युद्धविराम समझौते के दायरे में नहीं आता है। व्यापक शांति व युद्धविराम के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए अगले सप्ताह वाशिंगटन में तेल अवीव और बेरूत से जुड़े पक्षों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में ट्रांजिट शुल्क लगाने को लेकर ईरान को दी गई चेतावनी ने ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है। मौजूदा नाजुक शांति स्थितियों को देखते हुए जानकारों का मानना है कि सोने में तेजी की संभावना अभी सीमित है। रेनीशा चौनानी के अनुसार, यदि कूटनीतिक वार्ता विफल होती है, तो सोना तेजी से गिरकर 4,000 डॉलर के स्तर तक आ सकता है। इसके विपरीत, एक विश्वसनीय और ठोस शांति समझौता सोने को 5,000 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक स्तर तक ले जाने का रास्ता साफ करेगा, जिससे मौजूदा दायरा निवेशकों और बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णायक क्षेत्र बन गया है।

जेपी एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए जयप्रकाश गौड़ ने जताया अदाणी समूह पर भरोसा

नई दिल्ली,एजेंसी। कर्ज के बोझ तले दबी प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने अपनी कंपनी के अधिग्रहण के लिए सफल बोलीदाता के रूप में अदाणी समूह का समर्थन किया है। यह महत्वपूर्ण समर्थन ऐसे समय में सामने आया है जब प्रतिद्वंद्वी वेदांता लिमिटेड ने ऊंची बोली के बावजूद यह अधिग्रहण न मिलने पर कानूनी चुनौती दी हुई है। जेपी गौड़ ने साफ किया कि कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) और रेजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा आयोजित दिवाला समाधान प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रही है। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में सीओसी ने लगभग 90 प्रतिशत वोटों के साथ जेपी एसोसिएट्स की संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी। इस वोटिंग में डालमिया सीमेंट और वेदांता ग्रुप ने भी बोली लगाई थी। इसके बाद, 17 मार्च को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की इलाहाबाद बेंच ने भी अदाणी की इस बोली पर अपनी मुहर लगा दी है। इस अधिग्रहण प्रक्रिया में वेदांता लिमिटेड ने 17,926 करोड़ रुपये की भारी–भरकम बोली लगाई थी और अब कंपनी ने एनसीएलटी के फैसले को अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में चुनौती दी है। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने दावा किया था कि जेपी गौड़ अपनी कंपनी को वेदांता के सुरक्षित हाथोश में सौंपना चाहते थे और वेदांता को एक एसेट की बोली जीतने की लिखित पुष्टि भी मिली थी, जिसे बाद में बिना कारण बताए पलट दिया गया। हालांकि, एनसीएलएटी और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने ही एनसीएलटी के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। वेदांता के दावों के बीच, जेपी ग्रुप के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने कहा कि सीओसी का फैसला उन्हें पूरी तरह से स्वीकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि गौतम अदाणी के नेतृत्व में जेपी एसोसिएट्स की विरासत नई ऊर्जा, जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ेगी।

मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे करने पर हार्दिक ने रोहित को दी बधाई, बताया टीम की सबसे बड़ी प्रेरणा

मुंबई,एजेंसी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को फ्रेंचाइजी के साथ 15 साल पूरे करने पर बधाई दी है। हार्दिक ने ड्रेसिंग रूम में दिल को छू लेने वाली एक स्पीच दी। अपनी स्पीच में हार्दिक ने रोहित को मुंबई के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा प्रेरणास्त्रोत बताया। मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे होने पर रोहित ने टीम के साथियों, सहायक स्टाफ और फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट का दिल से शुक्रिया अदा किया और फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक और वीडियो में बतौर कप्तान अपनी यात्रा को आकार देने का श्रेय टीम के माहौल को दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए एक वीडियो में कहा, रोहित 15 साल पूरे करने पर बधाई। इतने वर्षों तक इस फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए आपका धन्यवाद। मैंने डेब्यू किया, बुमराह ने किया, हममें से कई लोगों ने आपके नेतृत्व में डेब्यू किया है। इतने सारे लोगों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद जो इस फ्रेंचाइजी के लिए खेलते आए हैं और उसी समय भारत के लिए भी खेले। आप एक इंसान के तौर पर भी कमाल और शानदार रहे हैं। आप बहुत फ्रेंडली और खुले विचारों वाले रहे हैं। आपने इतने वर्षों तक जिस तरह से टीम का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है उसके लिए बहुत धन्यवाद। रोहित ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को लीग की सबसे कामयाब फ्रेंचाइजी बनाया। इस पर उन्होंने कहा कि ये कामयाबियां किसी एक की काबिलियत के बजाय टीम की मेहनत का नतीजा थीं। फ्रेंचाइजी और उसके हितधारकों के समर्थन ने एक कप्तान और एक व्यक्ति के तौर पर मुझे आगे बढ़ाने में

अहम भूमिका निभाई। रोहित ने फ्रेंचाइजी के मालिक का भी शुक्रिया अदा किया और अपने करियर के अहम दौर में उनका साथ देने में उनकी भूमिका को स्वीकारा। 2008 में रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर का आगाज डेक्कन चार्जर्स के साथ किया था। वह इस टीम के साथ 2010 तक रहे। आईपीएल 2011 में वह मुंबई इंडियंस से जुड़े और अब तक इस टीम का हिस्सा बने हुए हैं। मुंबई इंडियंस ने रोहित को 2013 में कप्तान बनाया था। वह 2023 तक इस टीम के कप्तान रहे। 10 साल की कप्तानी में रोहित ने पांच बार (2013, 2015, 2017, 2019, 2020) मुंबई को आईपीएल का चौंपियन बनाया। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अलावा पांच आईपीएल खिताब जीतने वाली मुंबई सिर्फ दूसरी टीम है। रोहित मुंबई इंडियंस के सफलतम बल्लेबाज हैं। 239 मैचों की 235 पारियों में दो शतक और 41 अर्धशतक लगाते हुए वह 6267 रन बना चुके हैं।

रोहित के गुरु से मिला ज्ञान मुकुल चौधरी के लिए बना वरदान, आईपीएल से पहले सीखे थे दिनेश लाड से गुर

नई दिल्ली,एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गुरुवार को सभी ने उम्मीद छोड़ दी थी, तब मुकुल चौधरी ने सात छक्के लगाकर लखनऊ सुपर जाएंट्स को जीत दिलाई। राजस्थान के झुंझुनू निवासी मुकुल ने यह पारी अपने पिता दलीप कुमार चौधरी को समर्पित की है, जिनके कारण मुकुल के लिए रोहित शर्मा और शार्दुल ठाकुर के गुरु का ज्ञान वरदान बन गया। आईपीएल से पहले दलीप बेटे को रोहित शर्मा के कोच दिनेश लाड के पास लेकर गए थे। राजस्थान में कोच अनूप दबे ने यह सलाह दलीप को दी थी। द्रोणाचार्य अवॉर्डी दिनेश ने मुकुल को 4–5 दिन कोचिंग दी। दिनेश मुकुल से रन बनाने के लिए ग्रिप में हल्का परिवर्तन करने को कहा। दिनेश ने कहा कि अगर लगे कि इससे उन्हें कुछ फर्क पड़ रहा है, तभी वह इसमें परिवर्तन करें। मुकुल ने दिनेश की बात मानकर ग्रिप में परिवर्तन किया, जो उनके लिए वरदान बन गया। लखनऊ की ओर से 2.60 करोड़ रुपये में लिए गए मुकुल ने माना कि लाड के कराए परिवर्तन से उन्हें फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि वह दिनेश लाड के पास इसी वजह से गए थे, क्योंकि उन्हें भी अपनी बल्लेबाजी में कुछ तकनीकी खामियां लगती थीं। दिनेश ने उनकी काफी मदद की। खुद मुकुल ने बताया कि दिनेश लाड ने उन्हें कोचिंग तो दी, लेकिन उनसे फीस के रूप में एक भी पैसा नहीं लिया। दरअसल मुकुल के पिता ने दिनेश लाड से कोचिंग की फीस की बात पूछी थी, लेकिन उन्होंने इसके लिए साफ मना कर दिया। दिनेश बताते हैं कि सोमवार को ही उन्होंने मुकुल से बात की थी। उन्होंने उससे कहा था कि वह पीछे की ओर खेल रहा है। बड़े शॉट लगाने हैं तो सामने की ओर खेलना होगा। मुकुल ने केकेआर के खिलाफ मैच में सामने की ओर ही ज्यादा खेला। दिनेश कहते हैं कि उन्होंने उसकी तकनीकी खामी दूर जरूर कराई है, लेकिन इसमें उनका योगदान कम है। दरअसल मुकुल के पास जो प्रतिभा है, वह भगवान की देन है। उसे कोचिंग देने के दौरान मैंने उनकी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बल्लेबाजी देखी। वह निश्चित रूप से भारतीय टीम में खेलने के योग्य हैं।

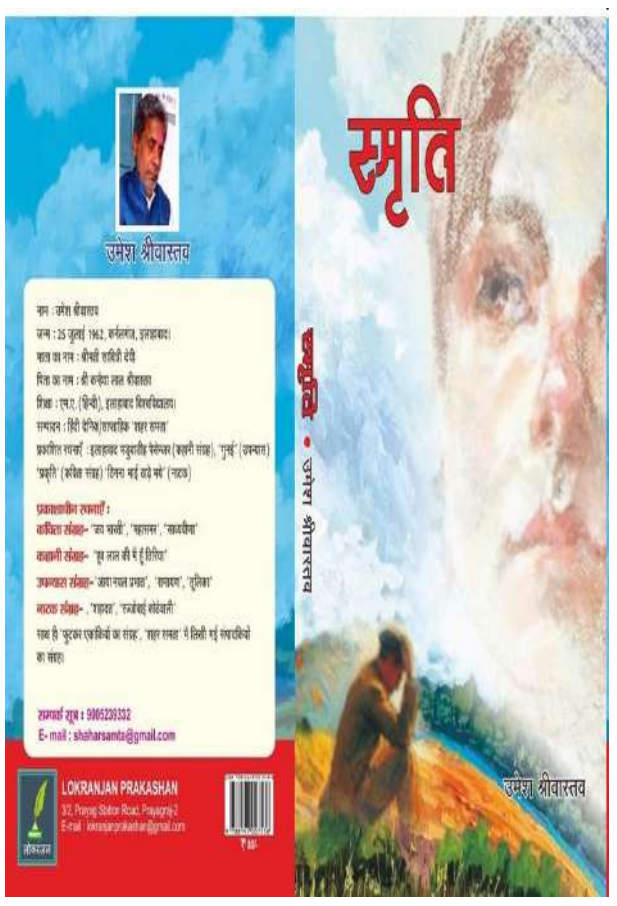

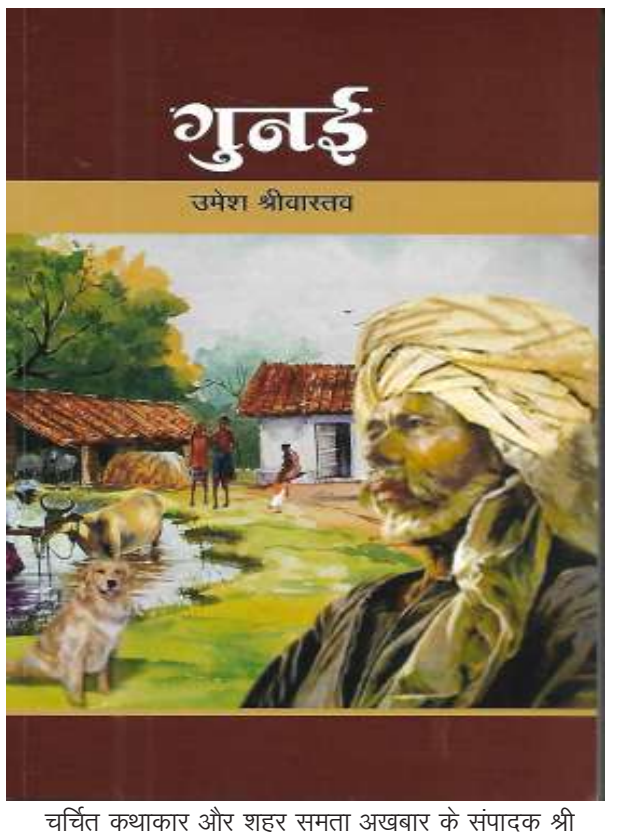

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

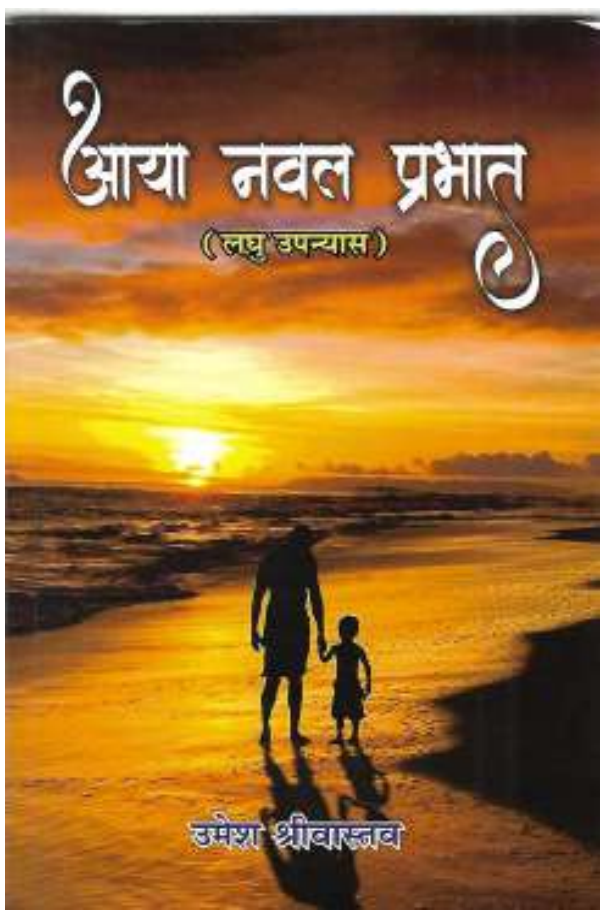

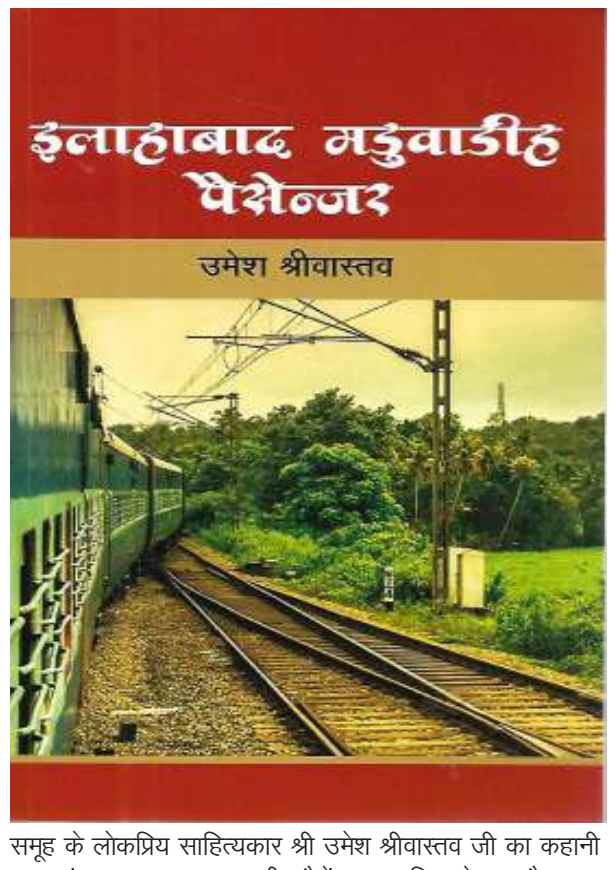

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

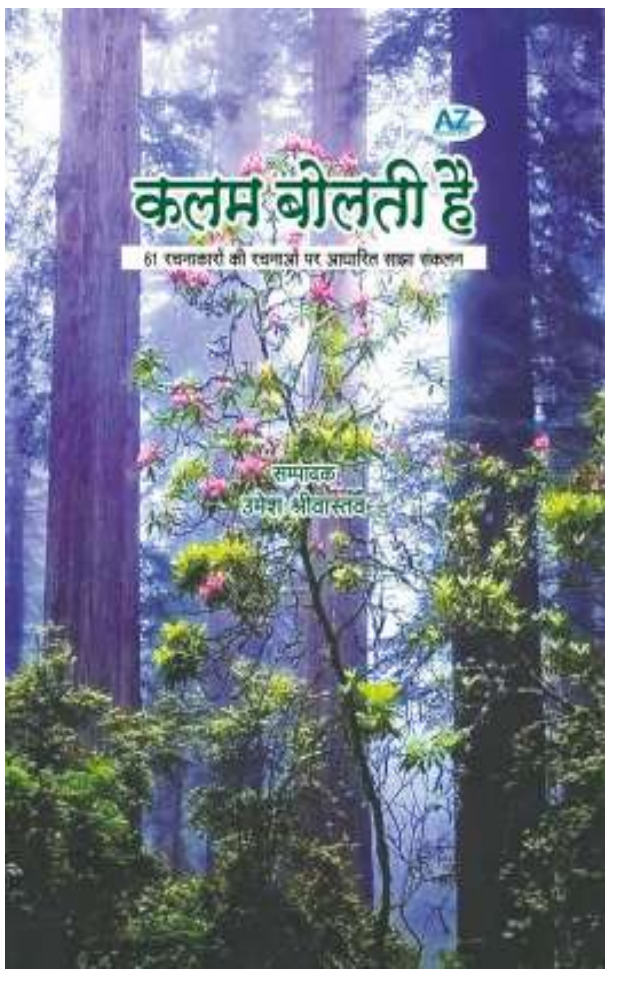

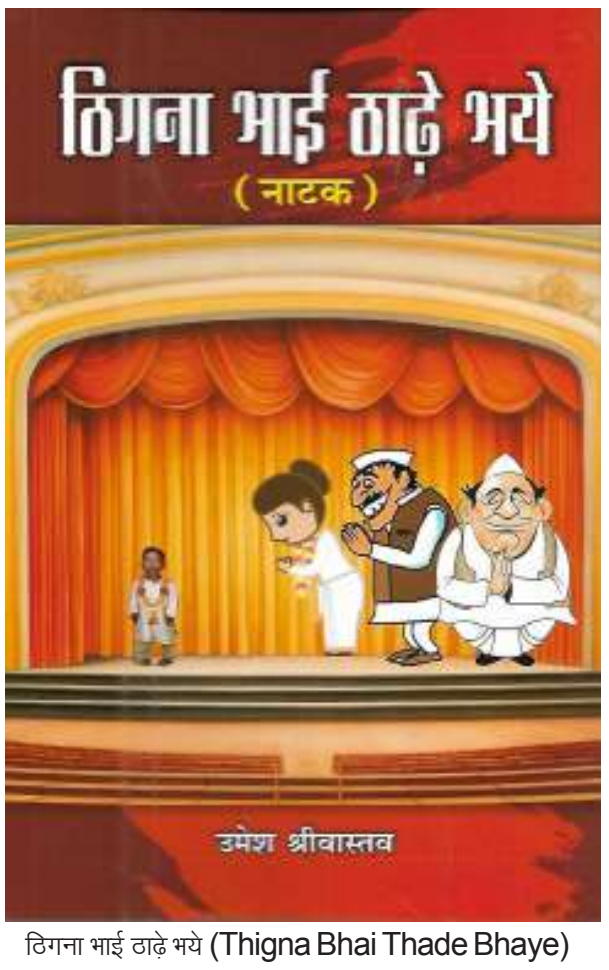

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

चेहरे पर गंभीर चोटें, एक या दोनों पैर कटने की अटकलें, मोजतबा खामेनेई की सेहत पर सामने आई बड़ी खबर

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के लिए दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। इस बीच ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई को

लेकर बड़ी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोजतबा खामेनेई के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। इसके साथ ही उनके एक या दोनों पैरों के कटने की भी अटकलें है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को युद्ध की शुरुआत में अपने पिता अली खामेनेई पर हुए हवाई हमले में गंभीर चोटें आई थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वे अभी भी ठीक हो रहे हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई की स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। चोटों के बावजूद वह मानसिक रूप से सक्रिय बने हुए हैं। वे ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग ले रहे हैं। युद्ध और अमेरिका के साथ बातचीत सहित प्रमुख मुद्दों पर निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। हालांकि, खामेनेई के स्वास्थ्य की स्थिति उनके ईरान के बड़े मामलों पर नजर रखने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाती है। गौरतलब है कि ईरान दशकों के सबसे गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वहीं, पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शनिवार को अमेरिका के साथ शांति वार्ता शुरू होने वाली है। खामेनेई के ठिकाने, स्थिति और शासन करने की क्षमता जनता के लिए अभी भी एक रहस्य बनी हुई है। हवाई हमले और आठ मार्च को पिता की जगह नियुक्ति के बाद से उनकी कोई तस्वीर और वीडियो सामने नहीं आए हैं। खामेनेई की चोटों पर कोई आधिकारिक ईरानी बयान भी सामने नहीं आया है। वहीं, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के 13 मार्च के बयान के अनुसार, खामेनेई को गंभीर रूप से घायल और संभवतः अंग भंग से जूझना बताया था। अमेरिकी खुफिया आकलन से परिचित एक सूत्र ने बताया कि खामेनेई का एक पैर खोने का संदेह है। सीआईए ने खामेनेई की स्थिति पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

भारत-अमेरिका वायुसेना प्रमुखों की अहम बैठक, इंडो-पैसिफिक में सहयोग और सुरक्षा पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग, प्रशिक्षण और सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा हुई। अमेरिकी वायुसेना प्रमुख केनेथ विल्सबैक ने भारतीय वायुसेना प्रमुखअमर प्रीत सिंह की मेजबानी की। यह आधिकारिक दौरा 8 अप्रैल को हुआ, जिसमें उन्हें जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने पेंटागन में उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लिया, जहां अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और ट्रॉय मींक से भी मुलाकात हुई। अमेरिकी वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को वाशिंगटन द्वारा दी जाने वाली महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस साझेदारी को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को श्स्वतंत्र, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्धश बनाए रखने के लिए केंद्रीय बताया। जनरल विल्सबैक ने समान विचारधारा वाले सहयोगियों के साथ बहुपक्षीय अभ्यासों में भारत के नेतृत्व और भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोग को बढ़ाना क्षेत्रीय निवारण को मजबूत करने की कुंजी होगी। जनरल विल्सबैक ने कहा एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के इस महत्वपूर्ण समकक्ष दौरे की मेजबानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। पेंटागन में उनके पूरे दिन के दौरान, हमने आधुनिकीकरण के प्रयासों, भविष्य के प्रशिक्षण के अवसरों और एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता पर गहन चर्चा की। बैठक में भारत द्वारा डफ-9ठ स्काई गार्जियन विमान की खरीद पर भी चर्चा हुई। अमेरिकी वायु सेना ने इस बात पर जोर दिया कि वे भारतीय सशस्त्र बलों को इस प्लेटफॉर्म को शनिर्बाध और प्रभावी ढंग से तैनात करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाशिंगटन के अलावा, एयर चीफ मार्शल सिंह ने कोलोराडो में पीटरसन स्पेस फोर्स बेस का भी दौरा किया, जहां उन्हें उत्तरी अमेरिका के लिए एयरोस्पेस और समुद्री चेतावनी सहित नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (NORAD) मिशन के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने नेवादा में नेलिस एयर फोर्स बेस का भी दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिकी वायु सेना युद्ध केंद्र में ब्रीफिंग में भाग लिया और F-15EX ईगल II लड़ाकू विमान में एक परिचय उड़ान भरी।

वॉशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण, 250 फीट ऊंचा का होगा भव्य आर्च

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गरुड़ (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं। इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में श्वन नेशन अंडर गॉडश और लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

शांति के बोल बनाम धमकी का खेल: समझौतों पर रजामंदी से पहले जुबानी जंग, कूटनीति की मेज पर किसकी होगी जीत ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका- इस्राइल और ईरान के बीच शनिवार को इस्लामाबाद में शांति वार्ता होनी है। संभावना जताई जा रही है कि इस अमेरिका-ईरान के बीच इस शांति वार्ता से पश्चिम एशिया संकट का हल निकल सकता है। हालांकि, इसकी उम्मीदें कम ही हैं। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया बयान। वहीं, ईरान भी अमेरिका के आगे झुकने को तैयार नहीं है। आइए सिलसिलेवार तरीके से समझते हैं शांति वार्ता का पूरा गणित... पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल होती है, तो अमेरिका ईरान पर अपने सबसे बेहतरीन

हथियारों का इस्तेमाल करके एक बड़ा सैन्य हमला करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में हालिया तैनातियों के बाद अमेरिकी सैनिकों की संख्या 50000 के पार पहुंच गई है। वहां पहले से ही करीब 2500 मरीन और 2500 नौसैनिक मौजूद हैं। अमेरिकी युद्धपोतों की संख्या भी खाड़ी क्षेत्र में बढ़ी है। वहीं, कई युद्धपोत पश्चिम एशिया की ओर रवाना भी हुए हैं। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ कर रहे हैं, जो विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ आधी रात के बाद इस्लामाबाद पहुंचे। वहीं, अमेरिकी टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जिनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं। इसके साथ अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के अधिकारी ब्रैड कूपर भी वहां पहुंचे हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इन वार्ताओं को श्मेक ऑर ब्रेकश (बनेगा या टूटेगा) करार दिया है। शांति वार्ता से पहले ईरान के संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ के नेतृत्व में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा। वहीं, अमेरिका के साथ होने वाली शांति वार्ता से पहले गालिबाफ ने साफ कर दिया है कि ईरान की पहले की शर्तें पूरी होने पर ही बातचीत आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार, लेकिन हमें अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने यह भी कहा कि तेहरान की मांगों में लेबनान में युद्धविराम शामिल है। ईरान और मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान ने भी कहा कि यह अमेरिका के साथ युद्धविराम का हिस्सा होना चाहिए था। हालांकि, अमेरिका और इस्राइल ने इस बात से इनकार किया है। कहा जा सकता है कि ईरान की पूर्व-शर्तों पर अमेरिकी मुहर लगने से ही शांति वार्ता के सफल होने की उम्मीद है। वार्ता के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भले ही इस्राइल युद्धविराम का स्वागत करता है, लेकिन लेबनान पर हमले नहीं रुकेंगे। उन्होंने कहा कि वे हिजबुल्ला को खत्म करने के अपने मिशन को जारी रखेंगे। गौरतलब है कि लेबनान पर इस्राइली सेना की ओर से हमलों को कोई खास कमी नहीं आई है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के विमान के पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही उसे पूर्ण सुरक्षा प्रदान की गई, जिसमें अवाक्स विमान(ॅ।।ब्-एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर विमान और लड़ाकू विमान शामिल थे। इन सभी ने ईरानी टीम को इस्लामाबाद तक सुरक्षित पहुंचाया।

सीजफायर के बीच ईरान को हथियार देने की तैयारी में चीन ? अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया रिपोर्टों ने एक चौंकाने वाले खुलासे की ओर इशारा किया है, जिसके अनुसार चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नई वायु रक्षा प्रणालियां (एयर डिफेंस सिस्टम) भेजने की तैयारी कर रहा है। तीन खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुआ अस्थायी सीजफायर बेहद नाजुक स्थिति में है। CNN की रिपोर्ट में दावा है कि चीन द्वारा भेजे जाने वाले सिस्टम में मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (ड।छच।क्) शामिल हो सकते हैं, जो कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के लिए बड़ा खतरा माने जाते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी अगले महीने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के लिए चीन की यात्रा करने वाले

हैं। सीजफायर के बीच बढ़ी कूटनीतिक चिंता यह संभावित हथियार आपूर्ति इसलिए भी संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि चीन ने हाल ही में इस संघर्षविराम को कराने में भूमिका निभाने का दावा किया था। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन इन हथियारों की आपूर्ति को तीसरे देशों के जरिए भेज सकता है, ताकि उनके वास्तविक स्रोत को छिपाया जा सके। वाशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने इस रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा श्चीन ने कभी भी संघर्ष के किसी भी पक्ष को हथियार प्रदान नहीं किया है, प्रश्न में दी गई जानकारी असत्य है।श उन्होंने आगे कहा एक जिम्मेदार प्रमुख देश के रूप में, चीन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करता है।

हम अमेरिकी पक्ष से निराधार आरोप लगाने, दुर्भावनापूर्ण संबंध जोड़ने और सनसनी फैलाने से बचने का आग्रह करते हैं। हमें उम्मीद है कि संबंधित पक्ष तनाव कम करने में मदद करने के लिए और अधिक करेंगे।श इससे पहले, दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा था कि अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से बीजिंग युद्धविराम कराने और संघर्ष समाप्त करने में मदद करने के लिए काम कर रहा था। गौरतलब है कि ईरान ने लंबे समय से चीन और रूस दोनों के साथ मिलिट्री और इकोनॉमिक रिश्ते बनाए हैं। ईरान ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को शाहेद ड्रोन देकर बहुत मदद की है और चीन को अपने सैंक्शन किए गए तेल का बड़ा हिस्सा भी बेचता है।

ईरान युद्ध में अमेरिकी सैनिकों ने पी 9.5 लाख गैलन कॉफी और 20 लाख एनर्जी ड्रिंक, पेंटागन का खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की एक ब्रीफिंग में ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिकी सैनिकों की खपत को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। जॉइंट चीफ्स ऑफ

स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन कैन ने बताया कि इस सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों ने लगभग 9.5 लाख गैलन कॉफी पी। जनरल कैन ने कहा कि यह संघर्ष बेहद तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इसे बेहद कठिन और लगातार दबाव वाला ऑपरेशन बताया। कॉफी के अलावा, सैनिकों ने लगभग 20 लाख एनर्जी ड्रिंक भी पी, जिससे लगातार ऑपरेशन के दौरान उनकी सतर्कता बनी रहे। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैनिकों ने इस अवधि में लगभग 60 लाख भोजन का सेवन किया। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में निकोटिन उत्पादों की खपत भी दर्ज की गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि लंबे सैन्य अभियानों में केवल हथियार ही नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स और मानव संसाधन भी कितने महत्वपूर्ण होते हैं। पेंटागन ब्रीफिंग के दौरान जनरल कैन ने हल्के अंदाज में कहा कि वे यह नहीं कह रहे कि कोई समस्या है, जिस पर वहां मौजूद लोगों के बीच हल्की मुस्कान देखी गई। लेकिन उन्होंने साफ किया कि यह सैन्य अभियान बेहद कठिन परिस्थितियों में संचालित किया गया। उनके अनुसार, हालात गर्म, अराजक, अंधेरे और अनिश्चित थे, जहां हर पल खतरा बना हुआ था। गौरतलब है कि करीब 40 दिनों तक चले अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष पर फिलहाल विराम लग गया है और सीजफायर लागू हो चुका है। हालांकि, हालात अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं और वैश्विक स्तर पर फिर से तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैनिक अभी भी अपने ठिकानों पर तैनात हैं और स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। उन्होंने संकेत दिया कि केवल एक आदेश के बाद संघर्ष फिर से शुरू हो सकता है। ऐसे में सबसे अधिक दबाव उन सैनिकों पर है, जो दूर-दराज के इलाकों में चुनौतीपूर्ण हालात का सामना कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

कुछ तो होने वाला है: ईरान में शांतिवार्ता के बीच पश्चिम एशिया में US बढ़ा रहा ताकत, ट्रंप का क्या है प्लान ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली अहम शांति वार्ता से पहले वैश्विक तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। इस्लामाबाद में प्रस्तावित इन बातचीतों से पहले अमेरिका एक तरफ कूटनीतिक प्रयासों को तेज कर रहा है, तो दूसरी ओर पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी भी तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे ईरान के साथ महत्वपूर्ण वार्ता में हिस्सा लेंगे। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब क्षेत्र में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं और किसी भी छोटे घटनाक्रम से बड़ा संघर्ष भड़कने की आशंका बनी हुई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी फाइटर जेट्स और अटैक एयरक्राफ्ट पहले ही क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। इसके अलावा अमेरिकी सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 1,500 से 2,000 सैनिकों की तैनाती आने वाले दिनों में की जाएगी। समुद्री मोर्चे पर भी बड़े स्तर पर हलचल देखी जा रही है। यूएसएस जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश कैरियर स्ट्राइक ग्रुप अटलांटिक महासागर पार कर रहा है, जबकि यूएसएस बॉक्सर एम्फीबियस ग्रुप और 11वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट प्रशांत क्षेत्र से खाड़ी की ओर बढ़ रहे हैं। इन सभी के एक हफ्ते से अधिक समय में पहुंचने की संभावना है। इन तैनातियों के साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 50,000 के पार पहुंच गई है, जो सामान्यतः करीब 40,000 रहती है। इसके अलावा पहले से ही करीब 2,500 मरीन और 2,500 नौसैनिक क्षेत्र में मौजूद हैं। इन बलों का इस्तेमाल जमीनी अभियानों में भी किया जा सकता है, जिसमें ईरान के रणनीतिक ठिकानों जैसे उसके प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप को निशाना बनाने की संभावना भी शामिल है। दूसरी ओर ईरान ने भी वार्ता के लिए अपनी तैयारी दिखा दी है। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची के नेतृत्व में एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है। हालांकि, तेहरान ने बातचीत के लिए शर्तें भी रखी हैं। ईरान का कहना है कि औपचारिक वार्ता से पहले लेबनान में युद्धविराम लागू होना चाहिए। गालिबाफ ने कहा कि ईरान सद्भावना के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह वार्ता धोखे का दिखावा साबित होती है, तो तेहरान जवाबी कदम उठाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी साफ कर दिया है कि अगर कूटनीति विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी युद्धपोत तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल किया जा सकता है। ट्रंप के मुताबिक, 24 घंटे के भीतर बातचीत की दिशा स्पष्ट हो सकती है। पूरे घटनाक्रम से यह साफ है कि अमेरिका एक दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है, एक ओर वार्ता के जरिए समाधान की कोशिश, और दूसरी ओर सैन्य ताकत के जरिए दबाव बनाना। यह रणनीति जहां अमेरिका की बातचीत की स्थिति को मजबूत कर सकती है, वहीं यह संकेत भी देती है कि वार्ता विफल होने की स्थिति में टकराव की पूरी तैयारी है। इस पूरे संकट के बीच होरमुज जलडमरूमध्य सबसे अहम बिंदु बना हुआ है। दुनिया की करीब 20: तेल आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती है, जो मौजूदा हमलों और तनाव के कारण प्रभावित हो रही है। करीब छह हफ्तों से जारी इस संघर्ष ने न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को झटका दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ईंधन कीमतों पर भी असर डाला है। हालांकि, सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि 50,000 सैनिक किसी बड़े जमीनी युद्ध के लिए पर्याप्त नहीं हैं। ईरान का विशाल भूभाग और बड़ी आबादी किसी भी संभावित सैन्य अभियान को बेहद जटिल बना देती है। अब सबकी नजर इस्लामाबाद में शुरू होने वाली वार्ता पर टिकी है।

होर्मुज बंद करने के लिए बिछाया था बारूदी सुरंगों का जाल, अब खुद ही खोज नहीं पा रहा ईरान, अमेरिका का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान की इस्लामाबाद में शांति वार्ता से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान कई कोशिशों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोल नहीं सकता है। इसकी वजह ईरान द्वारा होर्मुज में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगें हैं। ईरान ने होर्मुज को बंद करने के लिए बड़ी संख्या में समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। हालांकि, अब होर्मुज को खोलने के लिए तेहरान इनका पता लगाने में नाकाम हो गया है।

US-ईरान शांति वातारु इस्लामाबाद में आज उच्च स्तरीय बैठक, 14 ईरानी नेताओं संग चार अमेरिकी दिग्गजों का मंथन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आज 11 अप्रैल 2026 को ईरान और अमेरिका के बीच एक बहुप्रतीक्षित उच्च स्तरीय वार्ता शुरू होने वाली है। इस महत्वपूर्ण बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्याप्त कड़वाहट को कम करना और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना है। वार्ता इस्लामाबाद के प्रतिष्ठित सेरेना होटल में सुबह लगभग 11 बजे शुरू होने की उम्मीद है। इस श्हाई-प्रोफाइलश वार्ता में दोनों देशों के दिग्गज नेता शामिल होंगे। ईरान की ओर से 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची करेंगे। वहीं, अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ पूर्व राष्ट्रपति सलाहकार जेरेड कुशनर, पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और सेंटकॉम कमांडर वाइस एडमिरल ब्रैड कूपर भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। ईरान से पहुंचे 14 सदस्यीय दल में कई महत्वपूर्ण हस्तियां शामिल हैं। ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय रक्षा परिषद के सदस्य अली अकबर अहमदियन, केंद्रीय बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती, डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर काजिम गरीबाबादी और माजिद तख्त ए रवांची जैसे अधिकारी भी बातचीत का हिस्सा होंगे। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रेजा अमीरी मोघदाम, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट एस्माएल अहमदी मोघदाम, और संसद सदस्य अबोलफजल अमोई व मोहम्मद नबावियन शामिल हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।